दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 333 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये शनिवार 27 दिसंबर 2025 डाक- रविवार 28 दिसंबर 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

दर्दनाक हादसा : एक्सप्रेसवे पर भिड़ीं 50 से अधिक गाड़ियां, कई वाहन जलकर खाक, 1 की मौत-26 घायल

टोक्यो ,27 दिसंबर (एजेंसी) । जापान में शुक्रवार देर रात बर्फीले मौसम में एक एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। दो ट्रकों की टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे पर 50 से अधिक गाड़ियां टकरा गईं। इस सड़क हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए।पुलिस के मुताबिक कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर मिनाकामी कस्बे में दो ट्रकों की टक्कर होने के बाद करीब 50 वाहन आपस में टकरा गए। मिनाकामी टोक्यो से करीब 160 किलोमीटर (100 मील) उत्तर-पश्चिम में है। पुलिस ने कहा कि हादसे में टोक्यो की 77 वर्षीय महिला की मौत हो गई। 26 घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने कहा कि ट्रकों की टक्कर से एक्सप्रेस वे का कुछ हिस्सा बाधित हो गया और पीछे से आ रहे वाहन बर्फीली सतह होने के कारण समय पर ब्रेक नहीं लगा सके। इस कारण एक-एक कर 50 से अधिक वाहन एक दूसरे से टकरा गए। पुलिस ने कहा कि टक्कर के कारण एक दर्जन से अधिक वाहनों में आग लग गई। कुछ वाहन पूरी तरह जल गए। आग पर करीब 7 घंटे बाद काबू पाया जा सका। वाहनों में रखा पूरा सामान जल गया।

कांग्रेस की 'इंदिरा भवन' में सीडब्ल्यूसी की अहम बैठक: गुटबाजी के शोर के बीच दिग्गजों का जमावड़ा

नई दिल्ली ,27 दिसंबर (एजेंसी) । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को नई दिल्ली के इंदिरा भवन स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक की अध्यक्षता की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ दलीय नेता बैठक में उपस्थित हैं। बैठक में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, सांसद राजीव शुक्ला और सांसद अभिषेक मनु सिंहवी सहित अन्य नेता भी मौजूद थे।

गौरतलब है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी बैठक में मौजूद थे, जबकि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद हुए ढाई साल के नेतृत्व परिवर्तन समझौते को पूरा करने पर अड़े हुए हैं। डीके शिवकुमार को समिति की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया है। उन्होंने पहले कहा था, 'मुझे पता है कि दो-तीन मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। लेकिन उपमुख्यमंत्री को आमंत्रित नहीं किया गया है।'

कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी पार्टी के साथ अपने उतार-चढ़ाव भरे संबंधों के बावजूद बैठक में मौजूद थे। हाल के दिनों में, थरूर कांग्रेस की बैठकों में अनुपस्थित रहने और रामनाथ गोयनका व्याख्यान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की प्रशंसा करने के कारण सुर्खियों में रहे हैं। विदेश में व्यस्त होने के कारण उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली में भाग नहीं लिया। थरूर लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस सांसदों की बैठक में भी अनुपस्थित रहे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, थरूर ने अपनी अनुपलब्धता के बारे में पार्टी को पहले ही सूचित कर दिया था, और एक अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता और चंडीगढ़ सांसद मनीष तिवारी भी बैठक में शामिल नहीं हुए। शशि थरूर की टाइमलाइन के अनुसार, वे कोलकाता में प्रभा खैतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में थे। इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने सवाल उठाया था कि क्या पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की विफलता और उनके 'विनाशकारी वोट चोरी अभियान' के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराएगी।

धुंध का कहर : अमृतसर एयरपोर्ट पर फ्लाइट को लैंडिंग की नहीं मिली परमिशन, वापस लौटना पड़ा, कई उड़ानें रद्द

चंडीगढ़/अमृतसर ,27 दिसंबर (एजेंसी) । उत्तर भारत में ठंड का कहर जारी है जहां एक तरफ पहाड़ों पर पारा काफी लुढ़क गया है वहीं मैदानी इलाकों में धुंध का कहर जारी है। इसी बीच पंजाब के कई जिलों और चंडीगढ़ में आज घना कोहरा छाया हुआ है। इसका असर एयर ट्रैफिक पर सबसे ज्यादा पड़ा है। अमृतसर एयरपोर्ट पर 4 और चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर 1 फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी। सबसे बड़ी ज्यादा स्थिति विकट तब पैदा हुई, जब दिल्ली से अमृतसर आई यात्रियों से भरी एक फ्लाइट एयरपोर्ट के ऊपर काफी देर तक चक्कर लगाती रही, लेकिन लैंडिंग की अनुमति नहीं मिलने के कारण उसे वापस दिल्ली लौटना पड़ा।

मुंबई से अमृतसर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट को भी एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने लैंडिंग की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद विमान को जयपुर की ओर भेज दिया गया। दुबई की फ्लाइट को दिल्ली की ओर डायवर्ट कर दिया गया। रात करीब 1 बजे दुबई से अमृतसर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या IX-192 को दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया।

इसके अलावा सुबह 4:20 बजे अमृतसर से दोहा रवाना होने वाली कतर एयरवेज की उड़ान भी उड़ान नहीं भर सकी। दिल्ली, श्रीनगर, बेंगलुरु, हैदराबाद, शिमला सहित अन्य शहरों से अमृतसर आने और यहां से रवाना होने वाली कई घरेलू उड़ानें भी देरी से शुरू हुई।

वहीं, कोहरे का असर चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर आने और जाने वाली फ्लाइट पर भी पड़ा है। 5:55 पर पुणे से आने वाली फ्लाइट लेट हुई। इसके अलावा 7:15 पर जयपुर से आने वाली फ्लाइट को जयपुर की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। 7:30 पर बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट को जयपुर की तरफ डायवर्ट किया गया है। 7:45 पर अबू धाबी से आने वाली फ्लाइट देरी हुई है।

इसी तरह चंडीगढ़ से सुबह 5:45 पर दिल्ली जाने वाली फ्लाइट कैंसिल हुई है, जबकि 5:55 पर लखनऊ जाने वाली 7:25 पर रवाना हुई है। 9:00 बजे तक जाने वाली सभी फ्लाइट देरी से रवाना हो रही है

बंद कमरे अंगीठी जलाकर सो रहा था परिवार, दम घुटने से तीन बच्चों समेत चार की मौत, चार गंभीर

छपरा,27 दिसंबर (एजेंसी) । बिहार में सारण जिले के भगवान बाजार थाना क्षेत्र में एक घर में अंगीठी जलाकर सो रहे तीन मासूम बच्चे सहित चार लोगों की दम घुटने से मौत हो गई तथा चार अन्य की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि शुक्रवार की देर रात को अम्बिका कॉलोनी निवासी रामलखन सिंह के परिवार के आठ लोग एक ही कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए थे।

बंद कमरे में धुआं भरने के कारण सुबह तक दम घुटने से सभी लोगों की हालत बिगड़ गई।आज सुबह जब देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ कर घर में प्रवेश किया। जहां सभी आठ लोग बेहोश मिले। इसके बाद परिजन सभी लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे,जहां चिकित्सक ने रामलखन सिंह की पत्नी कमलावती देवी (70), विजय कुमार के पुत्र तेजांश कुमार (03), आर्य सिंह की पुत्री आद्या कुमारी (07माह) एवं विजय कुमार की पुत्री गुड़िया कुमारी (09) को मृत घोषित कर दिया। अन्य चार लोगों की चिकित्सा सदर अस्पताल में की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

हथियारों की आपात खरीद संबंधी अनुबंधों पर 15 जनवरी तक हो सकेंगे अनुबंध, रक्षा अधिग्रहण परिषद ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसी) ।रक्षा मंत्रालय की रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने रक्षा बलों को आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत अगले वर्ष 15 जनवरी तक अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने की अनुमति देने के लिए प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दे दी।

आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने की समय सीमा 19 नवंबर थी। ये शक्तियां रक्षा बलों को ऑपरेशन सिंदूर के बाद दी गई थीं ताकि वे भविष्य के संघर्षों के लिए तैयार हो सकें।

रक्षा सूत्रों के अनुसार रक्षा मंत्रालय में शुक्रवार को डीएसी की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह भी बताया गया कि सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कई प्रमुख प्रस्तावों पर चर्चा के लिए डीएसी की सोमवार को फिर बैठक होगी।

सेना द्वारा आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत अमेरिका से जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों और एक्सकैलिबर प्रेसिजन-गाइडेड आर्टिलरी गोला-बारूद की खरीद जैसी प्रमुख रक्षा परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है।

बजट में रक्षा बलों के लिए आवंटित पूंजीगत खर्च का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा सरकार द्वारा आपातकालीन खरीद के लिए उपयोग करने की अनुमति दी गई है। मंत्रालय ने कठोर रुख अपनाया है कि आपातकालीन खरीद मामलों में देरी की अनुमति नहीं दी जाएगी और यदि अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के एक वर्ष के भीतर डिलीवरी नहीं की गई तो डिफाल्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रूस ने बीते चार वर्षों में यूक्रेन युद्ध के दौरान अपने हथियारों और गोला-बारूद का उत्पादन 22 गुना बढ़ाया है। यह जानकारी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सरकारी टेलीविजन पर देश को संबोधित करते हुए दी है।

पुतिन ने बताया कि इस दौरान टैंकों का उत्पादन दो गुना से ज्यादा हुआ जबकि सैन्य विमानों का उत्पादन 4.6 गुना बढ़ा है। बाकी के हथियारों और उपकरणों का उत्पादन भी कई गुना बढ़ा है। रूसी सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर पुतिन ने कहा, यूक्रेन में चल रही लड़ाई का स्वरूप बदलता जा रहा है। इसलिए हथियारों और गोला-बारूद का उत्पादन बढ़ाया गया है।

भोपाल के ऐशबाग में टिंबर मार्केट में भीषण आग, लाखों का माल जलकर खाक, 4 लोग झुलसे

भोपाल, 27 दिसम्बर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के ऐशबाग इलाके में पातरा नाले के पास स्थित भोपाल डेकोरेटर्स के शोरूम और गोदाम में देर रात देर रात भीषण आग लग गई। जानकारी के अनुसार, रात के करीब 2.44 बजे आग लगी। इस आगजनी में चार लोगों के घायल होने की सूचना है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग की जानकारी होते ही मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंचीं। अग्निशमन के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। आग पर काबू के बाद भी घटनास्थल पर अभी भी दमकल के कर्मचारी मौजूद हैं। बता दें की आरा मशीन में यह दूसरी बार आग लगी है। इससे पहले भी यहां एक अन्य आरा मशीन में आग लग गई थी।

अयोध्या राम मंदिर में फिर भव्य आयोजन, रामलला की प्राण प्रतिठा के 2 वर्ष होने पर आज से मंडल पूजा

अयोध्या , 27 दिसम्बर (एजेंसी)। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर आज से रामलला की मंडल पूजा शुरू होगी। पांच दिवसीय पूजा का नेतृत्व श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और उडुप्पी स्थित पेजावर मठ के पीठाधीश्वर स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ करने वाले हैं। पूजा रामजन्मभूमि परिसर स्थित यज्ञशाला में होगी। प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाई जाने वाली वर्षगांठ के अन्य आयोजन 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक चलेंगे। ट्रस्ट ने कार्यक्रमों को रामजन्मभूमि परिसर से सटे अंगद टीला पर कराने का निर्णय लिया है। श्रद्धालु सुग्रीव पथ से अंगद टीला जा सकेंगे। रामपथ स्थित श्रीराम चिकित्सालय के बगल से गुजरने वाले इस पथ का जिला प्रशासन ने नामकरण कर दिया है। ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि मंडल पूजा के अंतर्गत सायंकाल पालकी यात्रा भी निकलेगी। मंडल पूजा में भगवान श्रीराम और उनके पंचायतन में सम्मिलित सभी देवों व उनके परिकरों की विधिवत पूजा की जाएगी। इसे दक्षिण भारत के कई आचार्य एवं वैदिक विद्वान संपन्न कराएंगे। रोज 2 बार पूजा होगी। मंडल पूजन करने वाले आचार्य सात्विक भोजन करते और रुद्राक्ष या तुलसी की माला धारण करते हैं। उन्होंने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय भी मंडल पूजा की थी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू भी 28 दिसंबर को अयोध्या आ रहे। उनके दर्शन-पूजन का कार्यक्रम नियत है, लेकिन मुख्यमंत्री के मंडल पूजा में भी शामिल होने की संभावना जताई जा रही। 31 दिसंबर को प्रतिष्ठा द्वादशी का मुख्य आयोजन होगा। इस दिन रामलला का महाभिषेक और आरती होगी। मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित होंगे।

वाह वाह

०० काका को रात में 12 बजे एक लड़की का फोन आता है...!

काका- हेलो कौन...?

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा...!

काका (खुश होकर) - कौन हैं आप...?

लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जायेंगे तो खुद से भी हो जाएंगे जुदा..!

खुशी के मारे काका की आंखों में पानी आ गया, वो बोले- तुम सच में मुझसे शादी करोगी...?

लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बंनाने के लिए 8 दबाएं...!

दिल्ली में नव वर्ष से पहले पुलिस का 'ऑपरेशन आघट': 285 से ज़्यादा गिरफ्तार, हथियार-ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसी) । दिल्ली में नए साल के जश्न की तैयारियों के बीच, पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में रात भर चले व्यापक अभियान में सैकड़ों आरोपियों को गिरफ्तार किया, अवैध हथियार जब्त किए और चोरी की संपत्ति बरामद की। यह अभियान त्योहारी भीड़भाड़ के दौरान अपराध को रोकने के उद्देश्य से चलाया गया था। दक्षिण पूर्वी दिल्ली पुलिस द्वारा चलाए गए इस गहन अभियान, 'ऑपरेशन आघट 3.0' के तहत, जिले के संवेदनशील इलाकों में समन्वित छापेमारी और जांच की गई। इसका लक्ष्य संगठित अपराध, गली-मोहल्ले के अपराधियों और बार-बार कानून तोड़ने वालों को पकड़ना था।

पुलिस ने बताया कि इस अभियान के दौरान शस्त्र अधिनियम, उत्पाद शुल्क अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम और जुआ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, नव वर्ष समारोहों के दौरान संभावित अपराधों को रोकने के लिए निवारक कार्रवाई के तहत 504 लोगों को हिरासत में लिया गया। आदतन अपराधियों के खिलाफ लक्षित कार्रवाई के तहत, 116 सूचीबद्ध बुरे चरित्र वाले लोगों को पकड़ा गया, जबकि पुलिस ने छापेमारी के दौरान 10 संपत्ति अपराधियों और पांच वाहन चोरों को भी गिरफ्तार किया। इस अभियान के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण बरामदगी हुई, जिसमें 21 देसी पिस्तौलें, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू शामिल हैं। पुलिस टीमों ने मादक पदार्थों और अवैध शराब की खेप भी जब्त की, जो उत्सवों से पहले बाजार में प्रतिबंधित सामान पहुंचाने के प्रयासों का संकेत देती है। चोरी की गई संपत्ति की बड़े पैमाने पर बरामदगी भी की गई। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान छीने गए, लूटे गए या गुम हुए 310 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

अंबिकापुर में शीतलहर का कहर, मैनपाट में लुढ़का 2 डिग्री तापमान, आईएमडी का अलर्ट जारी

अंबिकापुर। अंबिकापुर उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में इन दिनों कड़ाके की ठंड ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के बाद उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही शुष्क व ठंडी हवाओं के प्रभाव से पूरा संभाग ठिठुरन की चपेट में है। सर्द हवा ने ठंड को और तीखा बना दिया है।

शनिवार को सरगुजा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट का नजारा खासा आकर्षक रहा। यहां न्यूनतम तापमान गिरकर करीब दो डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे आसपास के इलाके में ओस की बूंदें पाला के रूप में जम गई।

सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले तो चारों ओर सफेद चादर जैसी पाले की परत देखकर चकित रह गए। घास के मैदान, पुआल के ढेर, पेड़-पौधों के तने और खेतों की मेड़ें पाले से ढकी नजर आई।

यह दृश्य किसी पहाड़ी इलाके में बर्फबारी के बाद का सा प्रतीत हो रहा था। स्थानीय लोगों ने इस नजारे को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर इंटरनेट मीडिया पर जमकर साझा किया। ठंड से मैनपाट सहित पूरे सरगुजा संभाग में जनजीवन प्रभावित है।

सर्वमंगला जोन के पांच वार्डो को मिली एक करोड़ 55 लाख रू.के विकास कार्यो की सौगात

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत 05 वार्डो को 01 करोड़ 55 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित इन विकास कार्यो का भूमिपूजन व लोकार्पण किया गया। इनमें से 01 करोड़ 10 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन व 44 लाख 29 हजार रूपये के विकास कार्यो का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर सहित निगम के पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण विशेष रूप से उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 64 सर्वमंगलानगर जोन अंतर्गत स्थित प्राथमिकता शाला इमलीछापर में 31 लाख 30 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 65 आनंद नगर भैरोताल में लोहारघाट खोलर नदी के किनारे सार्वजनिक उपयोग हेतु 15 लाख रूपये की लागत से मंगल भवन निर्माण, वार्ड क्र. 66 अंतर्गत सेन्द्री दफाई से रेलवे दफाई तक 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 61 बरमपुर शिव मंदिर से ठाकुरदिया देव स्थल चैक तक 20 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 61 कुसमुण्डा मिनी स्टेडियम वैशाली नगर में 10 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 62 अंतर्गत सर्वमंगला नगर दुरपा मंझवार मोहल्ला में 10 लाख रूपये की लागत से मंगल भवन एवं नाली निर्माण कार्य, नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत सर्वमंगला नगर जोन अंतर्गत 03 शासकीय स्कूलों में 09 लाख रूपये की लागत से किचन शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया।

इन विकास कार्यो का लोकार्पण- इसी प्रकार वार्ड क्र. 65 अंतर्गत कपाटमुड़ा में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भवन में 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कराया गया है, सर्वमंगला मंदिर के पास स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत 17 लाख 71 हजार रूपये की लागत से आकांक्षीय शौचालय का निर्माण कार्य भी किया गया है तथा वार्ड क्र. 62 अंतर्गत बजरंग चैक छोटे दशहरा मैदान के पास 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण हुआ है, इन तीनों कार्यो का लोकार्पण भी उद्योग मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

विकास, सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने का कार्य कर रही राज्य सरकार - इस अवसर पर दिए गए अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्रीविष्णुदेव साय की अगुवाई में प्रदेश सरकार राज्य में विकास के साथ-साथ सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने का कार्य कर रही हैं, सम्पूर्ण प्रदेश विगत दो वर्षो के दौरान प्रदेश में जहॉं एक ओर विकास को तेज गति प्राप्त हुई है, वहीं दूसरी ओर आमजनता के हितों के मद्देनजर दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिला खनिज न्यास मद की एक बड़ी सौगात हम सबको दी है, आज जिला खनिज न्यास मद से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अगुवाई में हमारा देश सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है तथा विकसित भारत का सपना साकार होने की ओर है। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि जहॉं तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो कोरबा नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डो में बिना किसी भेदभाव के वार्ड की जनता की मांग व आवश्यकता को देखते हुए व्यापक पैमाने पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं तथा प्रतिदिन करोड़ों रूपये के विका कार्य प्रारंभ हो रहे हैं।

बर्षो की समस्याएं हो रही दूर - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि नगर पालिक निगम केारबा क्षेत्र में व्याप्त बर्षो की समस्याएं दूर की जा रही हैं तथा उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में व्यापक पैमाने पर विकास कार्य प्रारंभ हो रहे हैं। उन्होने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपने देश में, प्रदेश में एवं निगम में हमारी सरकार बनाई है, आपके आशीर्वाद से ट्रिपल इंजन की सरकार काम कर रही है और इसी का परिणाम है कि वार्ड, बस्ती, गली, मोहल्ले आदि का तेजी से विकास हो रहा है।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान सभापति नूतन सिंह ठाकुर के साथ ही पार्षद आरती लखन सिंह, प्रेम साहू, भानुमति जायसवाल, रामाधर पटेल, लक्ष्मण श्रीवास, मण्डल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, माधव जायसवाल, लखन सिंह, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, अनिल यादव, देवकी साहू, दर्शन सिंह चांवला, हरीसिंह पटेल, जितेन्द्र सिंह राजपूत, मीना तिवारी, भूपेन्द्र बरेठ, प्राचार्य दुकालूराम देवांगन, बाबी गभेल, रामेश्वर वैष्णव, नंदनी साहू, प्रशांत मिश्रा, अजय कश्यप, सुनीता पटेल, माखन यादव, रामधन पाण्डेय, श्यामसुंदर राठौर, निगम केा जोन कमिश्न सुनील टांडे, सहायक अभियंता रमेश सूर्यवंशी, उप जोन प्रभारी पुखराज यादव, बालकृष्ण साहू, राधे कौशिक आदि के साथ काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

तहसील मार्ग की सड़क के बहुरे दिन

वाहनों की बढ़ी रफ्तार, ब्रेकर की जरूरत

कोरबा। शहर के तहसील मार्ग की सड़क के मरम्मत के बाद अब ज्यादातर वाहन चालक चकाचक सड़क पाकर तेजरफ्तार में वाहन चलाने लगे हैं। जिस कारण से सड़क पर वाहनों की टक्कर भी होने लगी है। गत रविवार को उप पंजीयक कार्यालय के सामने मोड़ पर रफ्तार अधिक होने की वजह से कार व दोपहिया के बीच टक्कर हो गई थी जिसमें दोपहिया चालक घायल हो गया। मार्ग पर दो बड़े स्कूल के अलावा कई दफ्तर है ऐसे में अब जगह-जगह ब्रेकर बनाने की जरूरत है।

शहर के तहसील मार्ग समेत कई क्षेत्रों को जोड़ने वाले प्रमुख सड़क लंबे समय से मरम्मत के अभाव में बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हैं। बारिश के बाद मरम्मत करने के आश्वासन के साथ पूरा सीजन गुजरा। ठंड का सीजन शुरू होने के साथ ही लोग शहर की सड़कों पर मरम्मत शुरू होने की राह ताक रहे थे। इस बीच नगर निगम के प्रस्ताव पर एसपी ऑफिस से लेकर पुराने कलेक्टोरेट तक तहसील मार्ग पर 2 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण की स्वीकृति के साथ भूमिपूजन हुआ। जिसके बाद उक्त मार्ग पर नए सिरे से डामरीकरण करके सड़क सुधार लिया गया। अब पुराने कलेक्टोरेट से लेकर एसपी ऑफिस तक तहसील मार्ग की सड़क चकाचक हो चुकी है। लंबे समय से परेशान चल रहे राहगीरों को राहत मिल गई है। मगर रफ्तार से हादसे का खतरा निर्मित हो गया है। सड़क पर मरम्मत की जरूरत महसूस की जा रही है।

अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठों पर कार्रवाई

18 भट्ठा मालिकों से 9 लाख ईंट जब्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे ईंट भट्ठों पर प्रशासन की टीम ने कार्रवाई की है। 18 ईंट भट्ठा मालिकों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 9 लाख ईंट को जब्त कर पंचायत के सुपुर्द किया गया है। वहीं अवैध परिवहन में उपयोग लाए जाने वाले ट्रैक्टर को भी जब्त कर पुलिस थाना के सुपुर्द किया गया है।

हरदीबाजार तहसील अन्तर्गत ग्राम हरदीबाजार व सुआभोंड़ी में अवैध रूप से चल रहे ईंट भट्ठों में संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई की गई है। जिसमें 18 ईंट भट्ठा मालिक कार्रवाई की जद में आए हैं। उनसे लगभग 9 लाख ईंट जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान ईंट भट्ठों में अवैध रूप से बिजली कनेक्शन पाया गया। जिस पर विद्युत विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर बिजली कनेक्शन को जब्त करने की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अवैध परिवहन में उपयोग लाए जाने वाले ट्रैक्टर को जब्त किया गया। हरदीबाजार निवासी राजेश जायसवाल द्वारा मिट्टी की अवैध खुदाई कर जेसीबी तथा ट्रैक्टर के माध्यम से ईंट भट्ठों में प्रदाय किया जाना लोगों ने बताया। साथ ही अवैध कोयला का उपयोग ईंट भट्ठों में किया जाना पाया गया। जिसके संबंध में थाना प्रभारी द्वारा विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रोहित कुमार सिंह, तहसीलदार अभिजीत राजभानू, थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय, राजस्व दल, सह पुलिस, पंचायत विभाग शामिल रहे।

राशिफल

मेष -आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल काम के प्रति रहेगा और इसके लिए आप कठोर परिश्रम करने को तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे और लोग भी आपकी सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे।

वृष-आज दिन शानदार रहेगा। आपकी कम्युनिकेशन स्किल दूसरों को प्रभावित करेगी और इसका लाभ मिलेगा। बिना नतीजों की चिंता किए मेहनत करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी। बिजनेस में अचानक फायदा मिलेगा।

मिथुन -आज का दिन बेहतरीन है। सोचे हुए काम और योजनाएं पूरी होंगी। रुके हुए काम पूरे करने में किस्मत का साथ मिलेगा। अपने गुणों और काम की वजह से सम्मान मिलेगा और समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क -आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। कठिन मामलों पर बातचीत से समाधान मिलेगा। जितनी मेहनत करेंगे उतना ही फायदा मिलेगा। महत्वपूर्ण कामों पर फोकस रहेगा। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। स्टूडेंट्स मैथ्स में भाई की मदद ले सकते हैं।

सिंह -आज का दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से संतोष मिलेगा। नया बिजनेस या नौकरी के अवसर तलाशने वालों के लिए समय अनुकूल है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और ऑफिस में आपकी पर्सनालिटी की तारीफ होगी।

कन्या-कन्या राशि वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में मधुरता और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। ऑफिस में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। खानपान पर ध्यान दें। मेहनत के अनुसार लाभ मिलेगा।

तुला-आज का दिन मिला जुला रहेगा। सकारात्मक सोच से असंभव काम भी संभव होंगे। विद्यार्थियों को सफलता के लिए थोड़ी और मेहनत करनी होगी। कारोबार और करियर की समस्याएं दूर होंगी। नई कोशिशों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि वालों आज मन में थोड़ी उलझन रहेगी, लेकिन जीवनसाथी से बात करने पर समाधान मिलेगा। जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें। आत्मविश्वास बढ़ने से रुके काम पूरे होंगे। अचानक धन लाभ होगा।

धनु -आज का दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक और प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूलता रहेगी। परिवार के साथ विचार विमर्श से समस्याओं का समाधान होगा। मल्टीनेशनल कंपनी से जुड़े लोगों के लिए दिन प्रगति वाला है।

मकर -आज दिन नई उमंग लेकर आएगा। आय के नए स्त्रोत बन सकते हैं। छात्रों को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। घर में सुख शांति रहेगी। मित्र की मदद से बिगड़े काम बनेंगे। जमीन से जुड़े निवेश में लाभ मिल सकता है।

कुम्भ -आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई या नवीनीकरण में व्यस्त रहेंगे। व्यापार में नए प्रोजेक्ट मिलेंगे। विदेश जाने का निमंत्रण मिल सकता है। लवमेट से उपहार मिलेगा।

मीन -आज का दिन खास रहेगा। भाई और माता का सहयोग मिलेगा। सहकर्मियों की मदद से काम समय पर पूरा होगा। खानपान का ध्यान रखें। महिलाओं को शॉपिंग में डिस्काउंट मिल सकता है। घर की साफ सफाई में व्यस्त रहेंगे।

कमला नेहरू कॉलेज में मनाया गया वीर बाल दिवस

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शुक्रवार को कमला नेहरू महाविद्यालय में वीर बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर ने कहा कि कोई भी पुरुष, एक महापुरुष तब बनता है, जब वह अपने कार्य से समाज के लिए नई राह का निर्माण करता है। आज का दिन आस्था, साहस, त्याग व सर्वधर्म समभाव को जीवन में आत्मसात करने का संदेश देता है। जीवन में हमेशा ऐसा कार्य करें, जिसमें समाज को आदर्श की ओर अग्रसर करने का संदेश हो।

एनएसएस जिला संगठक वायके तिवारी ने कहा कि आज का दिन बलिदान को नमन करने का है। कार्यक्रम अधिकारी गोविन्द माधव उपाध्याय ने इस दिवस की विशेषताओं से अवगत कराते हुए छात्र छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ स्वयंसेवक देवांश तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से एनएसएस जिला संगठक वायके तिवारी, कार्यक्रम अधिकारी गोविन्द माधव उपाध्याय, गोपाल शर्मा, अशोक सोनी, अमृत कुमार श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी विकास पाण्डेय एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का कलम बंद काम बंद हड़ताल

तीन दिनों तक जिले के सभी शासकीय कार्य होंगे ठप्प

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा मोदी की गारंटी को अमल में लाने को लेकर 29 दिसंबर से 31 दिसंबर तक तीन दिनों तक कलम बंद काम बंद हड़ताल पर जिले के सभी विभागों के कर्मचारी अधिकारी शामिल होंगे।

ज्ञातब्य हो की छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा छत्तीसगढ़ के शासकीय विभागों में कार्यरत लगभग 5 लाख कर्मचारियों के हितों के संरक्षण एवं 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार को पूर्व मे अनेक माध्यमों से अवगत कराती रही है किंतु सरकार की उदासीनता के कारण मांगे पूरी नहीं होने पर छत्तीसगढ़ के कर्मचारी अधिकारी हताश हैं जिससे लंबित महंगाई भत्ते का एरियर भुगतान, कैशलेस सुविधा, सेवा निवृत्ति की आयु में वृद्धि, अर्जित अवकाश नकदिकरण में बढ़ोत्तरी, चार स्तरीय वेतनमान, विभिन्न विभागों के वेतन विसंगति, पूर्व सेवा अवधि सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 29 दिसंबर से 31 दिसंबर तक प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में हड़ताल आयोजित है इसी कड़ी में कोरबा जिले मे कार्यरत कर्मचारियों अधिकारियों को हड़ताल में शामिल करने फेडरेशन के पदाधिकारियों द्वारा लगातार खंड कार्यालय एवं जिला मुख्यालयों के विभिन्न विभागों के कार्यालय में कर्मचारियों अधिकारियों से संपर्क कर हड़ताल में शामिल होने आवेदन भराया गया है, कर्मचारियों अधिकारियों के द्वारा हड़ताल में शामिल होने उत्साह के साथ आवेदन भरे गए हैं, फेडरेशन के प्रमुख पदाधिकारी केआर डहरिया जगदीश खरे, तरुण सिंह राठौड़,ओम प्रकाश बघेल,प्रकाश खाकसे द्वारा बताया गया कि 29 दिसंबर से 31 दिसंबर तक तीन दिनों तक तानसेन चौक आईटीआई बालको रोड में जिले के कर्मचारी अधिकारियों द्वारा हड़ताल में शामिल होकर धरना प्रदर्शन किए जाएंगे।

मोतीबाग वर्कशॉप नागपुर को 'बेस्ट वर्कशॉप अवॉर्ड', बना दक्षता, नवाचार एवं उत्कृष्टता का उत्कृष्ट उदाहरण

बिलासपुर , 27 दिसम्बर [एजेंसी]। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर (एमआईबी वर्कशॉप) को वर्ष 2024-25 में असाधारण परिचालन प्रदर्शन एवं उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा 'बेस्ट वर्कशॉप अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा रहा है। इस सम्मान के साथ मोतीबाग वर्कशॉप ने न केवल अपनी 146 वर्षों की गौरवशाली विरासत को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है, बल्कि सीमित संसाधनों के बीच उत्कृष्टता प्राप्त कर भारतीय रेल की अन्य कार्यशालाओं के लिए एक प्रेरक मानदंड स्थापित किया है।

एक विरासत जिसका प्रदर्शन आज भी अद्वितीय

साल 1879 में स्थापित, मात्र 18 एकड़ क्षेत्र में संचालित मोतीबाग वर्कशॉप, भारतीय रेलवे की सबसे पुरानी विरासत कार्यशालाओं में से एक है । सीमित ब्रॉड गेज कोच पीओएच (प्राइमरी ओवर हॉलिंग) सुविधाओं के बावजूद, वर्कशॉप ने वर्ष दर वर्ष अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है ।

वर्ष 2023 में 249 कोचों के मुकाबले 2024 में 336 कोचों का पीओएच (प्राइमरी ओवर हॉलिंग) आउटटर्न हासिल कर, वर्कशॉप ने न केवल रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (249 कोच) को पूरा किया, बल्कि 34.9% की ऐतिहासिक बढ़त दर्ज की।

परिचालन उत्कृष्टता: लक्ष्य से आगे, मिसाल कायम

प्रमुख उपलब्धियाँ (2024-25):

- बोगियों के आईओएच/ एसएस1 शेड्यूल अनुपालन में 15% सुधार
- लक्ष्य से 21.5% अधिक स्क्रैप निपटान
- 100 दिनों तक शून्य सिक मार्किंग, गुणवत्ता की निरंतरता का प्रमाण
- शून्य लोकल पासिंग, उच्चतम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप
- 100% तकनीकी पुनश्चर्या प्रशिक्षण द्वारा कर्मियों का कौशल संवर्धन
- 19.6% मानव संसाधन उत्पादकता में वृद्धि
- शून्य मानव हानि, सुरक्षा मानकों में उल्लेखनीय प्रदर्शन

इनोवेशन में अग्रणी: भारतीय रेलवे में पहली पहल

मोतीबाग वर्कशॉप भारतीय रेलवे की पहली वर्कशॉप है जिसने इनोक्यूलम जेनरेशन प्लांट स्थापित किया । इस पहल के माध्यम से 2024 में कुल 4.55 लाख लीटर इनोक्यूलम भारतीय रेलवे को प्रदान किया गया, यह उपलब्धि पर्यावरणीय स्थिरता, संसाधन नवाचार एवं आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

गुणवत्ता और सतत विकास के प्रमाणपत्र – उत्कृष्टता की मुहर

मोतीबाग वर्कशॉप ने गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए निम्नलिखित प्रतिष्ठित प्रमाणन अर्जित किए हैं:

- इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) प्रमाणन
- 5-एस (5-एस) प्रमाणन
- आईएसओ 3834 प्रमाणन
- आईएसओ 50001 प्रमाणन
- GreenCo प्रमाणन

सीमाओं के बीच संभावनाओं का विस्तार

इन सभी उपलब्धियों के पीछे वर्कशॉप की टीम का कर्मठ प्रयास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की सोच, गुणवत्ता के प्रति समर्पण एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता है। न्यूनतम संसाधनों में अधिकतम आउटपुट प्राप्त कर, मोतीबाग वर्कशॉप ने यह सिद्ध किया है कि कर्मनिष्ठा और नवाचार के बल पर हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

जापान में भारत की राजदूत नामित नगमा एम. मलिक ने टोक्यो में भारतीय दूतावास में वाकायामा प्रीफेक्चुरल फ्रेंडशिप प्रमोशन ग्रुप से मुलाकात की।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपनी कोलंबो यात्रा के दौरान श्रीलंका के प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की.

नई दिल्ली के गीता कॉलोनी में एक्यूआई बढ़ने के बाद, धूल के कणों को बिठाने के लिए एक एंटी-स्मॉग ट्रक धुंध का छिड़काव कर रहा है।

जम्मू में शिवसेना और डोगरा फ्रंट के सदस्यों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली में आईबी शताब्दी एंडोमेंट लेक्चर के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (डीआईबी) के डायरेक्टर तपन कुमार डेका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देख रहे हैं।

टोरंटो में भारतवंशी महिला की हत्या, वाणिज्य दूतावास ने जताया शोक, आरोपी के खिलाफ वारंट जारी

टोरंटो ,27 दिसंबर(एजेंसी)। टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इसे घरेलू हिंसा से जुड़ा अपराध बताया है और आरोपी अब्दुल गफूरी के खिलाफ कनाडा-व्यापी वारंट जारी किया गया है।

कनाडा के टोरंटो शहर से भारतीय समुदाय को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां भारतीय मूल की 30 वर्षीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को मुख्य आरोपी बताया है, जिसके खिलाफ पूरे कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

टोरंटो पुलिस के अनुसार, हिमांशी खुराना का शव स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट के पास स्थित एक आवास के अंदर से बरामद किया गया। शुरुआती जांच में इस घटना को घरेलू या करीबी संबंधों से जुड़ी हिंसा का मामला माना जा रहा है।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने जताया गहरा शोक

टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पोस्ट में कहा गया 'हम भारतीय नागरिक हिमांशी खुराना की हत्या से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। इस गहरे दुख की घड़ी में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। बीते कुछ दिनों से वाणिज्य दूतावास इस मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता दी जा रही है।' दूतावास ने यह भी स्पष्ट किया कि वह मामले को लेकर लगातार स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है।

आरोपी फरार, पूरे कनाडा में तलाश

टोरंटो पुलिस ने आरोपी अब्दुल गफूरी की तस्वीर जारी करते हुए जनता से मदद की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा हमने आरोपी की तस्वीर सार्वजनिक की है। यदि किसी को उसके ठिकाने की जानकारी हो, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। फिलहाल आरोपी फरार है और उसे पकड़ने के लिए पूरे कनाडा में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

अब जानिए कैसे सामने आया मामला

गौरतलब है कि पुलिस अधिकारियों ने बताया शुक्रवार को हिमांशी खुराना के लापता होने की सूचना मिलने के बाद तलाशी शुरू की गई थी। इसके अगले दिन यानी शनिवार को जब पुलिस ने संबंधित आवास में प्रवेश किया, तो वहां हिमांशी का शव मिला। जांच के बाद पुलिस ने मौत को हत्या करार दिया। पुलिस ने पुष्टि की है कि आरोपी अब्दुल गफूरी और मृतका हिमांशी खुराना एक-दूसरे को पहले से जानते थे। हालांकि, उनके रिश्ते की प्रकृति को लेकर विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

उस्मान हादी के भाई ने यूनुस सरकार पर लगाया हत्या का आरोप, कहा- चुनाव बिगाड़ने के लिए मरवाया

ढाका,27 दिसंबर (एजेंसी) । बांग्लादेश की राजनीति में उस समय भूचाल आ गया, जब विवादित और भारत-विरोधी बयानों के लिए पहचाने जाने वाले नेता उस्मान हादी की हत्या को लेकर उनके भाई ने सीधे तौर पर यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। मृतक के भाई का दावा है कि उस्मान हादी की हत्या जानबूझकर कराई गई, ताकि देश में होने वाले आगामी चुनावों को बाधित किया जा सके।

ट्रंप ने फिर दिखाए ग्रीनलैंड पर कब्जे के इरादे, रूस और चीन की टेंशन बढ़ी

न्यूयॉर्क ,27 दिसंबर (एजेंसी) । 20 जनवरी 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर अपने विस्तारवादी इरादों के संकेत दिए थे। अब एक बार फिर ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए इस आर्कटिक द्वीप के लिए विशेष दूत की नियुक्ति कर दी है। इस फैसले से डेनमार्क और ग्रीनलैंड में नाराजगी देखने को मिल रही है।ट्रंप का कहना है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड बेहद अहम है।

ललित मोदी-विजय माल्या का लंदन में पार्टी करते वीडियो, हंसते हुए बोले- हम भारत के सबसे बड़े भगोड़े

लंदन,27 दिसंबर (एजेंसी) । विजय माल्या और ललित मोदी का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में ललित मोदी ने खुद को और विजय माल्या को भारत के सबसे बड़े भगोड़े बताया है। दोनों लंबे समय से विदेश में रह रहे हैं और कई कोशिशों के बाद भी दोनों को अभी तक भारत नहीं लाया जा सका है।

भारत को दो सबसे बड़े भगोड़े ललित मोदी और विजय माल्या लंदन में ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहे हैं। काफी कोशिशों के बाद भी दोनों को अब तक भारत नहीं लाया जा सका है। अब आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर तंज कसा है। जिसके बाद यह वीडियो खूब देखा जा रहा है। इस वीडियो में ललित मोदी और विजय इतना ही नहीं इस वीडियो में ललित मोदी हंसते हुए कह रहा है कि हम दोनों भगोड़े हैं, भारत के सबसे बड़े भगोड़े। इस दौरान वीडियो में विजय माल्या और उसकी पत्नी भी हंसते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ललित मोदी ने लिखा 'चलो फिर से इंटरनेट हिला देता हूं। खासकर आप मीडिया वालों के लिए, जलन के साथ देखते रहिए।' इसके साथ ही ललित मोदी ने हंसते हुए इमोजी भी पोस्ट किए हैं। साफ है कि ललित मोदी ने भारतीय एजेंसियों पर तंज कसा है और मजाक उड़ाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह वीडियो 22 दिसंबर को विजय माल्या की जन्मदिन पार्टी का है।बॉम्बे उच्च न्यायालय ने माल्या से पूछा- कब भारत लौटेंगे? वहीं बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को विजय माल्या से पूछा है कि वे भारत कब लौटेंगे? दरअसल विजय माल्या ने भारत के फ्यूजिटिव ऑफेंडर एक्ट और खुद को भगोड़ा घोषित करने के फैसले को अदालत में चुनौती दी है। इस याचिका पर उच्च न्यायालय ने कहा, बिना अदालत के अधिकार क्षेत्र में आए, माल्या की याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकती। विजय माल्या साल 2016 से लंदन में है। वहीं आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी साल 2010 से विदेश में रह रहे हैं। ललित मोदी पर टैक्स चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोप हैं।

मोहम्मद यूनुस से नाराज हुआ अमेरिका, शेख हसीना की पार्टी को मिल सकती है प्रतिबंध से राहत

वॉशिंगटन ,27 दिसंबर (एजेंसी) । बांग्लादेश में जारी अराजकता के हालात पर अमेरिका ने नाराजगी जताई है। अमेरिका की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को पत्र लिखा है। इस पत्र में मोहम्मद यूनुस के राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की आलोचना की गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक तरफ बांग्लादेश में कानून व्यवस्था खराब है और अराजकता का माहौल है। वहीं दूसरी तरफ अब अमेरिका भी मोहम्मद यूनुस से नाराज हो गया है। दरअसल अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को पत्र लिखा है। इस पत्र में अमेरिकी सांसदों ने एक राजनीतिक पार्टी पर पूरी तरह से प्रतिबंध को गलत ठहराया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अवामी लीग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को लिखे पत्र में बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर भी नाराजगी जाहिर की। पत्र में लिखा गया है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार देश की राजनीतिक पार्टियों के साथ मिलकर ऐसा माहौल बनाए, जिससे देश में निष्पक्ष, मुक्त और शांतिपूर्वक चुनाव हो सकें। लेकिन हमें आशंका है कि ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि अंतरिम सरकार ने राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियों को बर्खास्त कर दिया है और साथ ही त्रुटिपूर्ण इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल को भी फिर से शुरू कर अमेरिकी सांसदों ने लिखा, '2018 और 2024 के आम चुनाव निष्पक्ष नहीं थे और फरवरी में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई और अगस्त 2024 में बांग्लादेश में भड़की हिंसा में करीब 1400 लोग मारे गए। असल में बांग्लादेश को इन घटनाओं से सीख लेकर लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए, लेकिन उसकी जगह वहां बदले की कार्रवाई शुरू हो गई है। हम चिंतित हैं कि एक राजनीतिक पार्टी को पूरी तरह से प्रतिबंधित करना गलत है।'कुछ माह पहले ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस प्रतिबंध में अवामी लीग के ऑनलाइन मंचों पर होने वाली गतिविधियां भी शामिल हैं। यह प्रतिबंध तब लगाया गया, जब कई संगठन अवामी लीग पर प्रतिबंध की मांग कर रहे थे।

बांग्लादेश में अज्ञात हमलावरों का आतंक, बीजेपी नेता को सिर में मारी गई गोली, हादी की मौत के बाद दूसरी घटना

बांग्लादेश ,27 दिसंबर (एजेंसी) । पड़ोसी देश बांग्लादेश इन दिनों गंभीर राजनीतिक अशांति और हिंसा की चपेट में है। हाल ही में कट्टरपंथी नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद राजधानी ढाका में हिंसक घटनाएं भड़क उठीं। इसी बीच एक और हाई-प्रोफाइल गोलीबारी की घटना सामने आई है, जिसने हालात को और तनावपूर्ण बना दिया है।जानकारी के अनुसार, अज्ञात बंदूकधारियों ने छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता पर हमला किया। बताया जा रहा है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के खुलना डिविजनल प्रमुख मोतालेब सिकदर को सोमवार को सिर में गोली लगी। गोली उनके सिर के बाईं ओर लगी है और उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है।हिंसा की आग में झुलस रहा पड़ोसी मुल्कगौरतलब है ।

यूएन में भी उठा बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा का मुद्दा, अल्पसंख्यकों को सुरक्षित महसूस कराने पर दिया जोर

संयुक्त राष्ट्र ,27 दिसंबर (एजेंसी) । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर गहरी चिंता जताई है। उनके प्रवक्ता स्टेफन दुजारिक ने कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले सभी लोगों, खासकर अल्पसंख्यकों को सुरक्षित महसूस होना चाहिए। प्रवक्ता ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और हाल ही में हिंदुओं की लिंचिंग के बारे में पूछे जाने पर कहा, सभी बांग्लादेशियों को सुरक्षित महसूस करने की जरूरत है। हम बांग्लादेश में देखी गई हिंसा को लेकर बहुत चिंतित हैं।

उन्होंने साफ कहा कि बांग्लादेश हो या कोई और देश, जो लोग बहुसंख्यक समाज का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें भी पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करेगी। इंकलाब मंच से जुड़े युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है। बताया गया है कि इस महीने की शुरुआत में हुए एक हमले के बाद उनकी मौत हो गई थी।

पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हुई थीं, जो हाल के दो हफ्तों में फिर से गंभीर रूप ले चुकी हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे हिंदुओं को भी भीड़ ने टारगेट किया, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। केवल उनके धर्म के कारण उन्हें निशाना बनाया गया।

हिंसा की नई घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने शांति बनाए रखने और हिंसा रोकने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि बदला और प्रतिशोध समाज में और गहरी दरारें पैदा करेगा और सभी के अधिकारों को नुकसान पहुंचाएगा। फरवरी में होने वाले चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा माहौल जरूरी है जिसमें हर व्यक्ति बिना डर के और शांति से सार्वजनिक जीवन में भाग ले सके।इस बीच अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के दो सदस्यों ने हिंदुओं और मीडिया के खिलाफ हो रही हिंसा की कड़ी निंदा की थी। राजा कृष्णमूर्ति ने बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा हत्या पर गहरा दुख जताते हुए इसे अस्थिरता और अशांति के दौर की खतरनाक घटना बताया। वहीं सुहास सुब्रमण्यम ने भी इस घटना पर चिंता जताई और कहा कि सरकार में हालिया बदलाव के बाद हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों की खबरें बढ़ी हैं, जिनमें घरों और मंदिरों को निशाना बनाया जाना भी शामिल है।उन्होंने साफ कहा कि बांग्लादेश हो या कोई और देश, जो लोग बहुसंख्यक समाज का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें भी पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करेगी। इंकलाब मंच से जुड़े युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है। बताया गया है कि इस महीने की शुरुआत में हुए एक हमले के बाद उनकी मौत हो गई थी।पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हुई थीं, जो हाल के दो हफ्तों में फिर से गंभीर रूप ले चुकी हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे हिंदुओं को भी भीड़ ने टारगेट किया, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। केवल उनके धर्म के कारण उन्हें निशाना बनाया गया।हिंसा की नई घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने शांति बनाए रखने और हिंसा रोकने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि बदला और प्रतिशोध समाज में और गहरी दरारें पैदा करेगा और सभी के अधिकारों को नुकसान पहुंचाएगा। फरवरी में होने वाले चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा माहौल जरूरी है जिसमें हर व्यक्ति बिना डर के और शांति से सार्वजनिक जीवन में भाग ले सके।

संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को दरकिनार कर पाक का बड़ा खेल, लीबियाई विद्रोही गुट को बेचेगा 4 अरब डॉलर के हथियार

इस्लामाबाद ,27 दिसंबर (एजेंसी) । आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय नियमों की परवाह न करते हुए एक बड़ा सैन्य सौदा किया है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंधों को दरकिनार कर उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया के विद्रोही गुट 'लीबियन नेशनल आर्मी' के साथ 4 अरब डॉलर से अधिक के सैन्य उपकरणों की डील फाइनल की है। इस सौदे की पुष्टि पाकिस्तान के चार अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर की है, क्योंकि यह मामला बेहद संवेदनशील है और सीधे तौर पर यूएन के प्रतिबंधों का उल्लंघन करता है।यह पाकिस्तान के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी हथियार बिक्री मानी जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस सौदे को पिछले सप्ताह लीबिया के पूर्वी शहर बेंगाजी में अंतिम रूप दिया गया। वहां पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर और रुह्न के उप कमांडर-इन-चीफ सद्दाम खलीफा हफ्तार के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद ही दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग और हथियारों की खरीद-फरोख्त पर मुहर लगाई।इस डील से जुड़े दस्तावेजों के अनुसार, पाकिस्तान लीबियाई गुट को 16 जेएफ-17 (ब्लॉक-17) फाइटर जेट्स देगा। यह एक मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है, जिसे पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। इसके अलावा, बेसिक पायलट ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले 12 सुपर मुशशक ट्रेनर विमान भी इस पैकेज का हिस्सा हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह आपूर्ति अगले ढाई साल की अवधि में पूरी की जाएगी और इसमें वायुसेना के अलावा जमीनी और नौसैनिक उपकरण भी शामिल हो सकते हैं, जिससे सौदे की कुल कीमत 4.6 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

पाकिस्तान का यह कदम अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसे मुश्किल में डाल सकता है। दरअसल, 2011 में मुअम्मर गद्दाफी के तख्तापलट के बाद से लीबिया गृहयुद्ध की आग में जल रहा है और देश दो हिस्सों में बंटा हुआ है। एक तरफ त्रिपोली में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त 'गवर्नमेंट ऑफ नेशनल यूनिटी' है, तो दूसरी तरफ पूर्वी और दक्षिणी हिस्से पर हफ्तार की रुह्न का कब्जा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लीबिया पर हथियार प्रतिबंध लगा रखा है। यूएन पैनल हफ्तार की सेना को एक विद्रोही गुट मानता है, जिसमें कई मिलिशिया और विदेशी भाड़े के सैनिक शामिल हैं। बावजूद इसके, पाकिस्तान ने यह जोखिम भरा कदम उठाया है।

हफ्तार ने कहा- यह रणनीतिक सहयोग की नई शुरुआत

सौदा पक्का होने के बाद रुह्न के आधिकारिक मीडिया ने रविवार को बताया कि गुट ने पाकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग समझौता किया है, जिसमें हथियार बिक्री, संयुक्त प्रशिक्षण और सैन्य निर्माण शामिल है। वहीं, हफ्तार ने एक टीवी चैनल पर प्रसारित बयान में कहा कि हम पाकिस्तान के साथ रणनीतिक सैन्य सहयोग के एक नए चरण की शुरुआत कर रहे हैं। हालांकि, इस डील से लीबिया में चल रहा संघर्ष और गहराने की आशंका जताई जा रही है।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल / मप्र / गेवरा क्षेत्र / भू-राजस्व / 2025 / 1776 दिनांक 04.12.2025

आम सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि गेवरा परियोजना क्षेत्रांतर्गत ग्राम नरईबोध के निम्नलिखित 01 भू-विस्थापित एवं उनके द्वारा नामित आश्रित / उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति प्राप्त किये जाने बाबत् औपचारिकताएँ यथाशीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

क्र	ग्राम का नाम	राज्य शासन द्वारा प्रदत्त प्रमाणित पत्रक V/VI में खातेदार का नाम	नामांकन के अनुसार खातेदार का नाम	खसरा नं. (सीबीए के तहत) पत्रक अनुसार	रकबा भुगतान व्हाउचर अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित व्यक्ति का नाम	खातेदार से संबंध
1	नरईबोध	बिसाहू पिता होलसाय	बिसाहू पिता होलसाय	41/2 117/2 202 232/2 248 253/1 351/8 411/2 446/2 447/2 469/6	1.586 हे. 3.92 एकड़	जसवंतसिंह पिता जय सिंह आधार कार्ड मे नाम- जसवंत सिंह पिता जय सिंह जाति प्रमाण पत्र मे नाम- जसवंत कुमार पिता जय सिंह निवास प्रमाण पत्र मे नाम- जसवंतसिंह पिता जय सिंह स्कूल प्रमाण पत्र मे नाम- जसवंतसिंह पिता जय सिंह रोजगार पंजीयन- जसवंत सिंह पिता जय सिंह	पोता
		1. खसरा बी-1 एवं पी-2 वर्ष 2008 से 2013-14 में नाम- बिसाहू पिता होलसाय एवं बिसाहू पिता होलसाय नामांतरण पंजी मे नाम- बिसाहू पिता होलसाय 2. खसरा पी-2 एवं बी-1 वर्ष 2022-23 मे उक्त सभी अर्जित भूमि एसईसीएल गेवरा परियोजना के स्वामित्व मे शासकीय राजस्व दस्तावेजो मे दर्ज है।					

(1) अतः किसी भी संबंधित व्यक्ति को इस पर आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजी प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा-आपत्ति मान्य नही होगा। (2) प्रस्तुत रोजगार के प्रस्ताव में खातेदार एवं आश्रित उम्मीदवार के नाम / उपनाम भिन्न-भिन्न दस्तावेजों में भिन्न-भिन्न दर्ज है, जो एक ही व्यक्ति का होना दर्शाया गया है, इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर प्रस्तुत करें।

SECL/25-26/278

महाप्रबंधक, एसईसीएल, गेवरा क्षेत्र

सम्पादकीय...

बस्ती में जंगल के जख्म

जंगल की रात सोया एक आदमी, बस्ती में आ के आदमखोर ने तोड़ा आदमी। मंडी जिला के बल्ह की भडयाल पंचायत की सुबह ने देखी दो खूंखार आंखें और मातम की गोद में चालीस वर्षीय साली कुमार की लाश रख दी गई। वह जंगल टाप कर आया था। उसे बस्ती में नहीं आना चाहिए था, लेकिन वन महकमे के कानून इस कद्र हावी हैं कि पर्यावरण की जन्नत बनाते ही हिमाचल के घर, खेत और जमीन बर्बाद होने लगे हैं। आखिर वन विभाग पोस्टमार्टम करवाएगा, जहां डाक्टर लिखेंगे मौत के कारण में एक आदमखोर तेंदुआ, फिर इस मौत का सौदा हो जाएगा। वन विभाग मौत का मुआवजा देगा और फिर कहीं कोई अन्य तेंदुआ, भालू या नील गाय अपनी आवारगी में नागरिकों की बस्ती में जख्म भर देगी। आश्चर्य यह कि वन विभाग की टहनियां अकसर आम नागरिक को डराती हैं, लेकिन जंगल और जंगली जानवरों से बचा नहीं पातीं। शिकार की टोह में तेंदुआ भयक्रांत नहीं था। उसे मालूम था कि उसके जख्म भरने के लिए वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कानून खड़े हैं। इसी रक्षा कवच को पहने वन विभाग का तेंदुआ एक-एक करके वार करता रहा। गनीमत यह कि दीनानाथ बच गया, क्योंकि उसने दस मिनट तक तेंदुए के साथ संघर्ष किया। उसकी बीवी ने तावड़तोड़ प्रहार किए या बेटा आग का दरिया ले आया, वरना ऐसे घातक प्रहार से कौन किसे बचा पाता। एक 68 वर्षीय डागू राम की तारीफ होनी चाहिए कि उसने अपने अदम्य साहस से गांव की चंपा देवी को बचा लिया। बचाने की कोशिश तो हर बार होती, लेकिन कई बार जंगल के रास्ते बस्ती उजड़ जाती। जंगली जानवरों के आगे जनता की मासूमियत को वन विभाग का साथ नहीं मिलता, लेकिन जंगल की आन बान शान के खिलाफ हर बार इनसान धरा जाता रहा। जाहिर है इनसान की बस्ती को जंगल व जंगली जानवर डरा रहे हैं। कभी जंगल की आग तपा कर झुलसा देती, तो कभी वन्य प्राणियों के प्रहार से मानव सभ्यता को दहशत का सामना करना पड़ता है। बंदर और सूअरों के निशान से भयभीत किसान अकसर खेत को वीरान छोड़ने लगा है। तेंदुआ बस्ती तक न पहुंचे इसके लिए वन विभाग क्या कर रहा है। बंदर प्रजाति को बचाने तथा इसे ठिकाने लगाने के विरोध में कड़े फैसले लेने वालों की बिरादरी यह बताए कि इनकी रिहाइश का जिम्मा कौन उठाएगा। खेतों से आलू तथा अन्य सब्जियां उखाड़ने वाले सूअर को कौन सा विभाग सूअर मानेगा। जंगल में मानवीय गतिविधियां रोकने वाला विभाग पर्यावरण संरक्षण के नाम पर नागरिकों का जीना मुहाल कर सकता या विकास कार्यों को जंगल के पत्ते-पत्ते पर फेंट सकता है, लेकिन यह प्रण नहीं लेता कि अगर एक तेंदुआ भी बस्ती में आकर मानव जीवन को नुकसान पहुंचाएगा, तो उस परिवार का भरण पोषण जंगल की आय से कब होगा। क्यों न वन्य प्राणियों के प्राणघातक हमलों में मारे गए लोगों को वन विभाग के खिलाफ कानूनी अधिकार मिले। आखिर जंगल और बस्ती के बीच कितनी दूरी और कितनी निकटता चाहिए। बहरहाल मंडी की घटना पूरे गांव को आहों और भय से भर देती है। अगर इसी तेंदुए के टब्बर को बार-बार भ्यूली गांव का रास्ता दिखाई दिया, तो कौन बचाने आएगा। कहना न होगा कि हिमाचल में पर्यावरण के नारे लगाने वाली जमात और नीति नियंता भी सोचें कि हमने 68 फीसदी जंगल उगाकर वन के खतरों को नागरिक बस्तियों में गाड़ दिया है। अगर जंगली जानवर की खुराक में किसी मृतक के परिवार को चार लाख मुआवजा मिलता भी है, तो यह राहत अमानवीय है। जंगल के नाम पर मौत ही हासिल होनी है, तो कुछ जड़ें फिर से खोदनी पड़ेंगी।

क्रोध पर नियंत्रण

श्रीश्री रवि शंकर

हम बच्चों को शारीरिक स्वच्छता रखना सिखाते हैं, लेकिन मानसिक स्वच्छता के बारे में नहीं सिखाते। मानसिक स्वच्छता क्या है? अपने मन की देखभाल करना ही मानसिक स्वच्छता है। हर कोई साफ कपड़े पहनना पसंद करता है, हर कोई रोज नहाता है। उसी तरह, प्रतिदिन की घटनाओं की छाप जो हमारे मन पर पड़ जाती है, मन को उनसे मुक्त रखना हमें सीखना चाहिए। मानसिक स्वच्छता आवश्यक है, जिसे आप ध्यान जैसी प्रथाओं से बनाए रख सकते हैं। हर दिन कुछ समय निकालकर मन को सचेत रूप से आराम देना और अपने आप में विश्राम करना वैसा ही है, जैसे अपने कंप्यूटर में सभी अनावश्यक फाइलों को डिलीट बटन से हटाना। हम बच्चों को बहुत छोटी उम्र से दांत ब्रश करना सिखाते हैं ताकि उनके दांत स्वस्थ रहें और उनकी मुस्कान बरकरार रहे। लेकिन एक मुस्कान केवल स्वस्थ दांतों से नहीं आती, बल्कि एक सुखद मानसिक स्थिति से आती है, जिसे ध्यान से शुरू किया जा सकता है और फिर यह हमें कहां ले जाता है? क्या यह केवल मानसिक स्वच्छता तक सीमित है? नहीं, यह हमें हमारे भीतर एक अन्य आयाम तक ले जाता है, जो सभी संभावनाओं का क्षेत्र है। क्या ध्यान सभी के लिए है?

यह मानव जीवन की एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है कि वे ऐसी खुशी की तलाश करते हैं, जो कभी न घटे, एक ऐसा प्यार जो विकृत न हो या नकारात्मक भावनाओं जैसे गुस्से, घृणा या जलन में न बदल जाए। आराम की चाह स्वाभाविक है, क्योंकि आपने अपनी मां के गर्भ में उस अपूर्व आराम की अवस्था का अनुभव किया है। मां के गर्भ में आपको कुछ नहीं करना होता था। खाना सीधे आपके पेट में पहुंचता था और आप खुशी से तरल में तैरते रहते थे, मुड़ते और लात मारते रहते थे। वही ध्यान है और ध्यान है पूर्ण आराम। ध्यान एक कला है। हर व्यक्ति के पास दस अंगुलियां होती हैं और बस यह सीखने की आवश्यकता होती है कि उनके द्वारा किसी वाद्य यंत्र से मधुर संगीत कैसे निकाला जाए? उसी तरह आपके पास एक मन है जिससे आप सोच सकते हैं और ध्यान भी कर सकते हैं। जब मन शांत और केंद्रित हो जाता है, तब भीतर स्थित अपार बुद्धि और ऊर्जा तक पहुंच पाता है। ध्यान में आपको गहरी विश्रांति मिलती है, फिर भी आप सजग और सचेत बने रहते हैं। ध्यान करने के लिए आपको हिमालय जाने की आवश्यकता नहीं है, न ही संन्यासी बनने की, न जीवनशैली बदलने की और न ही कठोर तप करने की। आप किसी योग्य प्रशिक्षक के साथ ध्यान सीखना आरंभ कर सकते हैं, जो आपको मंत्र के माध्यम से मन को शांत करना सिखाए। पहली ही बार में आप कुछ अद्भुत अनुभव करते हैं। फिर, जब आप प्रतिदिन एक या दो बार नियमित अभ्यास करते हैं, तो आप अपने भीतर एक बड़ा परिवर्तन महसूस करते हैं और सिर्फ आप ही नहीं, आपके आसपास के लोग भी आपके भीतर की उस सुंदर ऊर्जा को पहचानने लगते हैं।

वीर बाल दिवस: युवा भारत की प्रेरणा

डॉ. शिवानी कटारा

1705 का समय था। मुगल सत्ता का अत्याचार चरम पर था और गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे—अजित सिंह और जुझार सिंह—युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए।

भारत का इतिहास केवल तिथियों और युद्धों का संकलन नहीं है, बल्कि वह मानवीय साहस, नैतिक दृढ़ता और आत्मबल की जीवंत परंपरा है। वीर बाल दिवस, जो प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया जाता है, इसी परंपरा का एक अमर अध्याय है। यह दिवस सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों—साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह—के अद्वितीय बलिदान की स्मृति को समर्पित है। मात्र नौ और छह वर्ष की आयु में इन बाल वीरों ने धर्म, सच्चाई और आत्मसम्मान के लिए जो साहस दिखाया, वह आज भी भारत की चेतना को आलोकित करता है।

1705 का समय था। मुगल सत्ता का अत्याचार चरम पर था और गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे—अजित सिंह और जुझार सिंह—युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए। उन्हें भय दिखाया गया, प्रलोभन दिए गए और निरंतर दबाव डाला गया कि वे अपना धर्म छोड़ दें। यह दबाव मुगल सूबेदार वज़ीर ख़ान के आदेशों के तहत बढ़ाया गया, किंतु उन बच्चों ने अत्यंत शांति और दृढ़ता से यह स्पष्ट कर दिया कि आस्था कोई सौदे की वस्तु नहीं होती। परिणामस्वरूप उन्हें दीवार में जीवित चिनवा दिया गया। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं थी, बल्कि मानव आत्मा की सर्वोच्च परीक्षा थी, जहाँ शरीर पर अत्याचार था, पर आत्मा अडिग थी। जैसा कि कहा गया है—

'साहस का अर्थ डर का न होना नहीं, बल्कि डर के होते हुए भी सत्य के साथ खड़े रहना है।' इसी क्षण बचपन ने इतिहास को दिशा दी और यह सिद्ध किया कि उम्र छोटी हो सकती है, पर चेतना और साहस अनंत हो सकते हैं।

भारत सरकार ने वर्ष 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया, ताकि देश के बच्चे और युवा इन बलिदानों से प्रेरित हो सकें। यह दिवस केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि संकल्प का आह्वान है—कि हम अपने जीवन में सत्य, नैतिकता और आत्मसम्मान को सर्वोपरि रखें। आज यह संदेश विशेष रूप से त्वट्ठ्ठ के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि यही पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। हालिया अध्ययनों के अनुसार भारत में 15–29 वर्ष के लगभग हर पाँचवें युवा में चिंता, अवसाद या भावनात्मक तनाव के लक्षण पाए जाते हैं, और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण यह भी दर्शाता है कि 18–29 आयु वर्ग में मानसिक विकारों की दर उल्लेखनीय है। NICEF की रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया है कि बड़ी संख्या में भारतीय युवा अक्सर घबराहट, अकेलेपन और भविष्य को लेकर असुरक्षा महसूस करते हैं, लेकिन सहायता माँगने में झिझकते हैं। ऐसे समय में वीर बाल दिवस की कथा एक दर्पण भी है और दीपक भी—दर्पण इसलिए कि यह हमें हमारी कमजोरियों का बोध कराती है, और दीपक इसलिए कि यह आत्मबल का मार्ग दिखाती है।

साहिबजादों का जीवन Gen Z को यह सिखाता है कि आत्मसम्मान बाहरी स्वीकृति से नहीं, बल्कि भीतर की आस्था से जन्म लेता है। अत्यधिक दबाव में भी उन्होंने अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया; आज के युवाओं के लिए यह peer pressure और तुलना-संस्कृति का सबसे सशक्त उत्तर है। उनकी कथा बताती है कि जीवन की महानता उसकी लंबाई में नहीं, बल्कि उसकी गहराई और उद्देश्य में होती है, और मानसिक दृढ़ता किसी उम्र की मोहताज नहीं। जब जीवन प्रश्नों से घिर जाए, तब मूल्य ही उत्तर बनते हैं—यह विचार आज मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मानसिक स्वास्थ्य केवल तनाव-प्रबंधन नहीं, बल्कि मूल्य-आधारित जीवन जीने की क्षमता है। जब व्यक्ति अपने मूल्यों से जुड़ा रहता है, तो असफलता भी उसे तोड़ नहीं पाती। आज की दुनिया में वीरता केवल रणभूमि की नहीं, मनोभूमि की भी है—परीक्षा में असफल होने के बाद फिर उठ खड़े होना, अपनी मानसिक पीड़ा के बारे में खुलकर बोलना, मदद माँगना, गलत आदतों को छोड़ना और सच के साथ खड़े रहना। वीर बाल दिवस 2025 हमें यह भरोसा देता है कि युवा अकेले नहीं हैं; उनके पास ऐसी विरासत है जो उन्हें मानसिक दृढ़ता, आत्मसम्मान और अर्थपूर्ण जीवन की दिशा देती है। आइए, इस वीर बाल दिवस पर संकल्प लें कि हम अपने और अपने साथियों के mental health को प्राथमिकता देंगे, एक-दूसरे को सुनेंगे, समझेंगे और साहस के साथ जीना सीखेंगे, क्योंकि जब मूल्य मजबूत होते हैं, तभी मन भी मजबूत होता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

कुशल भारतीय युवाओं के लिए अन्य देशों में भी उपलब्ध हो रहे हैं रोजगार के अवसर

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही के समय में भारतीय युवाओं ने भारतीय संस्कृति के नियमों का अनुपालन करने की ओर अपने पग बढ़ा दिए हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव को आत्मसात करते हुए अन्य कई देशों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से एवं अपनी उच्च शिक्षा समाप्त करने के पश्चात आज भारतीय युवा रोजगार प्राप्त करते हुए इन देशों में आसानी से रच बस रहे हैं। आज कई विकसित देशों में तकनीकी, स्वास्थ्य एवं रीसर्च जैसे क्षेत्रों में भारतीय मूल के नागरिकों का दबदबा बन गया है। इन देशों की अर्थव्यवस्था को गति देने में भारतीय मूल के नागरिकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। कई अन्य देशों में रचे बसे भारतीयों ने अपनी हिंदू सनातन संस्कृति का पालन करते हुए अपनी छाप छोड़ी है। इसके चलते ही आज कई देश - रूस, जापान, इजराईल, वियतनाम, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, फ्रान्स एवं अन्य कई देश - भारतीय युवाओं की खुले रूप से मांग करने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देशों में आज श्रमबल की भारी कमी महसूस की जा रही है क्योंकि इन देशों में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेज गति से बढ़ रही है और इन देशों में युवाओं द्वारा बच्चे पैदा नहीं करने अथवा कम बच्चे पैदा करने के चलते युवाओं की बहुत कमी हो गई है। इसीलिए भी विश्व के कई देश आज भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना चाहते हैं ताकि वे भारत से श्रमबल को अपने देशों में विशेष सुविधाएं देकर आकर्षित कर सकें।

इस समय रूस लगभग 20 लाख कामगारों की कमी से जूझ रहा है। 4 एवं 5 दिसम्बर 2025 को रूस के राष्ट्रपति श्री ब्लादिमीर पुतिन, 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने हेतु, भारत में आए थे। रूस के राष्ट्रपति की भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय चर्चा में अन्य मुद्दों के साथ साथ भारतीय युवाओं के लिए रूस द्वारा अपने दरवाजे खोलने पर भी गम्भीर चर्चा हुई थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2017 में प्रारम्भ हुए यूरेशियाई आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को आगे बढ़ाते हुए, उक्त 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत एवं रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रूस में भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली 90 प्रतिशत वस्तुओं पर वर्ष 2028 तक शून्य टैरिफ सम्बंधी शर्तों को अंतिम रूप दिया गया। इससे भारतीय फार्मा और वस्त्र उद्योग के लिए तीन करोड़ उपभोक्ताओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे प्रति वर्ष लगभग 1500 से 2000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूरेशियाई आर्थिक संघ में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया और किर्गिस्तान शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण समझौते के अंतर्गत भारत वर्ष 2030 तक सूचना प्रौद्योगिकी, निर्माण और नर्सिंग के क्षेत्रों में रूस को लगभग 5 लाख भारतीय श्रमबल उपलब्ध कराएगा। इससे भारत को अपने रोजगार सृजन के लक्ष्य को पूरा करने और अपनी जनसांख्यिकी बढ़त का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। रूस के उद्योगपतियों एवं उद्यमियों के संघ के उपाध्यक्ष ने तो बताया है कि रूस को 50 लाख कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है और भारत रूस की इस कमी को पूरा करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है।

आज इजराइल भी, विशेष रूप से हम्मास के साथ हुए संघर्ष के बाद से, निर्माण के क्षेत्र में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है और भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहा है। इजराइल ने भारत से एक लाख श्रमिकों को उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया है। इजराइल ने भारत के साथ इस सम्बंध में एक द्विपक्षीय रूपरेखा करार भी किया है। भारतीय संसद में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, इस करार के अंतर्गत, 1 जुलाई 2025 तक 6,774 भारतीय कामगारों को इजराईल भेजा जा चुका है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इजराईल भेजे जाने वाले श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश से अधिकतम युवाओं को इजराईल भेजकर उन्हें वहां पर आसानी से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के बीच 29-30 अगस्त, 2025 को जापान में हुई बैठक में भारत और जापान के बीच रणनीतिक सहयोग की दिशा में एक दूरदर्शी मार्ग प्रशस्त किया है और दोनों देशों के बीच अगले दशक के लिए एक व्यापक संयुक्त विजन की नींव रखी गई है। जापान ने आगामी दस वर्षों में भारत में अपने निवेश को 2024 के स्तर, लगभग 4,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर, से बढ़ाकर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर (10 लाख करोड़ जापानी येन) करने की प्रतिबद्धता दिखाई है। पूंजी के प्रवाह के साथ ही, जापान एवं भारत ने एक 'पीपल टू पीपल' आदान प्रदान कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाने की बात कही है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य है कि जापान की प्रौढ़ हो रही आबादी के चलते वहां के संरचनात्मक श्रमबल के क्षेत्र में कमी को कम करने और भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ उठाने के लिए आने वाले 5 वर्षों में जापान में 5 लाख भारतीय छात्रों और श्रमिकों को भेजने के लक्ष्य को लेकर दोनों देश काम करेंगे। जापान, भारतीय नर्सों के लिए भी अवसर गढ़ने का प्रयास कर रहा है क्योंकि वहां चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सकों एवं नर्सों की भारी कमी है, जबकि जापान में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सर्दी में भाषणों की गर्मी

गुरमीत बेदी

कड़क सर्दी में रैली में आया एक व्यक्ति अपने आधे कपड़े उतार कर नाच रहा है। और उधर सामने मंच पर एक नेता जी आग उगलने वाला भाषण चल रहा है। आधा मीडिया नेताजी की मुख-मुद्रा को कवर कर रहा है, तो खोजी मीडिया रैली स्थल पर आधे कपड़ों में नाच रहे उस शख्स पर अपने कैमरे फोकस करके लाइव प्रसारण कर रहा है और चैनल की टीआरपी बढ़ाने में लगा है। अब सवाल यह उठता है कि सरकारी बस में बिना टिकट के लाया गया वह शख्स इस रैली में इतना जोश में क्यों दिख रहा है कि उसने अपने आधे कपड़े उतार दिए हैं। कुछ समीक्षकों का मानना है कि नेताजी ने भाषण से जो माहौल में गर्मी पैदा कर दी है, उस गरीब आदमी के भीतर इतनी एनर्जी आ गई है कि उसे अब न महंगाई से डर है, न रैली की बदइंतजामी से गुस्सा। उसे इस बात का मलाल भी नहीं है कि उसे जबरदस्ती पकड़कर लाया गया और रैली में रोटी तक नसीब नहीं हुई, जबकि आयोजक फाइव स्टार होटल में लजीज व्यंजन खा रहे हैं। लेकिन असली कारण कुछ और बताया जा रहा है- दरअसल नेताजी का भाषण इतना आग उगलने वाला था कि आदमी के कपड़े जल तो नहीं सके, पर उतारने लायक गर्मी जरूर पैदा हो गई। यह बात अलग है कि यह गर्मी सिर्फ भाषण में थी, बजट में नहीं।

इधर रैली के बीचों-बीच कुछ लोगों का मानना है कि आदमी नाच नहीं रहा था, वह अपने जीवन की ठंडक को झटकने की आखिरी कोशिश कर रहा था। गरीबी की ठंड, वादों की ठंड, समर्थन की ठंड और विश्वासघात की ठंड। भाषण सुनते ही इतनी ठंड याद आ गई कि शरीर ने खुद ही कहा- 'भाई, थोड़ा हरकत कर लो, वरना जम जाओगे।' टीवी चैनलों पर बहस चल रही है, 'क्या यह आदमी लोकतंत्र के उत्साह का प्रतीक है?' एक एंकर चिल्ला-चिल्लाकर बोला- 'देखिए, जनता कितनी खुश है! विपक्ष इसे भी नकारात्मक बताने में लगा है!' उधर विपक्ष कह रहा है, 'यह नाच मजबूरी का था।' लेकिन दोनों यह भूल जाते हैं कि मजबूरी ही इस देश की सबसे बड़ी जनता है। रैली के एक कोने में एक बुजुर्ग ने गहरी सांस लेकर कहा- 'बेटा, यह आदमी नाच नहीं रहा। यह अपने सपनों का अंतिम संस्कार कर रहा है।' साथ खड़े युवक ने जोड़ा- 'और कैमरे वाले इसे 'जश्न' बता रहे हैं।' मंच के आसपास खड़े नेता मुस्कुरा रहे थे। उनके लिए तो यह नाच लोकतंत्र की जीवंतता थी। जनता नाचे, यह उनकी रणनीति है। जनता रोए, यह उनका चुनावी मुद्दा है। जनता सोचे, यह उनका खतरा है। रैली खत्म होने पर आयोजकों ने घोषणा कर दी- 'आप सबकी सेवा की गई है।' सेवा कितनी हुई, यह किसी को समझ नहीं आया। पर हां, वादे जरूर गरमागरम थे। सर्दियों में मुफ्त हीटर की तरह, जो जलते कम और दिखते ज्यादा हैं। वहीं वह आधे कपड़ों वाला आदमी अब ठंड से कांप रहा था। कैमरे बंद हो चुके थे, नेताजी अपने काफिले में बैठ चुके थे, और 'समर्थन की गर्मी' सर्द हवा में गायब हो चुकी थी। मगर लोकतंत्र फिर भी छाती ठोक कर कहेगा- 'देखो, जनता कितनी उत्साहित है!' क्योंकि इस देश में जनता नाचने लगे तो उत्साह माना जाता है..और जमने लगे तो कहा जाता है- 'सर्दी ज्यादा है, सरकार क्या करे?'

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी।

साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि ज़मीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट, नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका।

2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'एसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि वह हमारी भी लड़ाई हो।' यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दर्शाता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता साझेदारी से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाईं, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली में राष्ट्रति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की.

केरल के तिरुवनंतपुरम निगम में 45 साल का वाम शासन खत्म, भाजपा ने वीवी राजेश को मेयर प्रत्याशी बनाया

तिरूवनंतपुरम, 27 दिसम्बर [एजेंसी]। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों से चला आ रहा वाम दलों का शासन समाप्त होने के बाद भाजपा ने गुरुवार को पूर्व जिला अध्यक्ष वीवी राजेश को मेयर पद का अपना उम्मीदवार घोषित किया। पार्टी ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ पहली बार नगर निगम की सत्ता पर कब्जा किया है। भाजपा ने आशा नाथ को उपमेयर पद का उम्मीदवार बनाया है।

नव-निर्वाचित भाजपा पार्षदों और जिला नेतृत्व की बैठक के बाद पार्टी के प्रदेश महासचिव एस सुरेश ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। यह फैसला प्रदेश और जिला नेतृत्व के बीच लंबी चर्चा के बाद लिया गया। इससे पहले सेवानिवृत्त डीजीपी आर श्रीलेखा के नाम पर भी मेयर पद के लिए विचार हुआ था, लेकिन पार्टी के एक वर्ग के विरोध के चलते उनके नाम पर सहमति नहीं बन सकी। उम्मीदवारों की घोषणा से ठीक

पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर केरल इकाई से जुड़े संगठनात्मक मुद्दों पर मार्गदर्शन लिया। उन्होंने कहा कि वह हर कार्यकर्ता की ओर से उनके समर्थन के लिए आभारी हैं। भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में कुल 50 सीटें जीतकर चार दशकों से अधिक समय से चले आ रहे वामपंथी गढ़ को ध्वस्त कर दिया।

वहीं कांग्रेस नीत यूडीएफ ने भी अपनी सीटों की संख्या दोगुनी करते हुए उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की। तीन-कोणीय मुकाबले में अंततः तिरुवनंतपुरम का रुझान भाजपा के पक्ष में गया, जिसे केरल की राजनीति में एक अहम मोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

मैसूरु में फट गया हीलियम गैस सिलेंडर, एक की मौत और 5 घायल

मैसूर, 27 दिसम्बर [एजेंसी]। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को कर्नाटक के मैसूरु में गुब्बारों में हवा भरने के लिए इस्तेमाल होने वाले हीलियम गैस सिलेंडर के फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यह घटना शहर में मैसूर पैलेस के जयमारतंडा गेट के सामने रात करीब 8.30 बजे हुई।गुब्बारा विक्रेता, जिसकी पहचान सलीम (40) के रूप में हुई है, जो खामरुद्दीन का पुत्र और उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के तोफिया गांव का निवासी था, की मौके पर ही मौत हो गई।अधिकारियों के अनुसार, घटना स्थल के पास मौजूद पांच लोग भी घायल हो गए। घायलों की पहचान शहनाज शब्बीर (54), लक्ष्मी (45), कोटेश गुट्टे (54), मंजुला नंजनगुड (29) और रंजीता (30) के रूप में हुई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है।

प्याज-गेहूं की घास के अर्क से काबू में आई शुगर, टीएमबीयू के शोध में चौंकाने वाले नतीजे

भागलपुर, 27 दिसम्बर [एजेंसी]। मधुमेह से जूझ रहे लोगों के लिए राहत की उम्मीद जगाने वाली खबर तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) से आई है। विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में हुए एक वैज्ञानिक अध्ययन में यह सामने आया है कि प्याज और गेहूं की घास का अर्क शुगर और कोलेस्ट्राल दोनों को नियंत्रित करने में असरदार साबित हो सकता है। यह शोध कुल 60 एलबिनो चूहों पर किया गया। पहले चरण में सभी चूहों को एक विशेष दवा एलाक्सन देकर मधुमेहग्रस्त बनाया गया। इसके बाद उन्हें छह अलग-अलग समूहों में बांटकर 28 दिनों तक विभिन्न उपचार दिए गए। कुछ समूहों को कोई उपचार नहीं दिया गया,

जबकि अन्य को प्याज का अर्क, गेहूं घास का अर्क और दोनों का मिश्रण निर्धारित मात्रा में रोजाना दिया गया।शोधकर्ता डॉ. अतुल समीरण के अनुसार, प्याज के अर्क की मात्रा 0.6 ग्राम प्रति 100 ग्राम शरीर भार और गेहूं घास के अर्क की मात्रा 500 मिलीग्राम प्रति किलो शरीर भार रखी गई। प्रयोग पूरा होने के बाद चूहों की विस्तृत रक्त जांच की गई, जिसमें शुगर लेवल, कोलेस्ट्राल, प्लाज्मा प्रोटीन, हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं की स्थिति शामिल थी। नतीजे चौंकाने वाले रहे। जिन चूहों को प्याज और गेहूं घास का अर्क दिया गया था, उनकी बढ़ी हुई शुगर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। साथ ही कोलेस्ट्राल का स्तर भी नीचे आया। मधुमेह के कारण खून में आई कमजोरी, जैसे हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं की कमी, में भी स्पष्ट सुधार देखा गया।

शोध के मुताबिक, इस हर्बल उपचार से शरीर में ऐसे प्रोटीन सक्रिय हुए, जो रक्त में बढ़ी शुगर को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुए। इससे शरीर की मेटाबालिक स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी। यह शोध प्रो. अशोक कुमार ठाकुर के निर्देशन में जंतु विज्ञान विभाग में पूरा किया गया।शोध के उत्साहजनक नतीजों के बाद दर्जन भर से अधिक मधुमेह रोगियों ने भी इस अर्क का प्रयोग किया।

डॉ. अतुल के अनुसार, टीएमबीयू के पूर्व कुलपति प्रो. जवाहर लाल, प्रो. अशोक कुमार ठाकुर और बीएन कालेज के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. मो. फिरोज आलम समेत कई शिक्षकों और कर्मियों ने इस अर्क का उपयोग किया है। सभी ने इसके सकारात्मक प्रभाव की बात कही है।

ओडिशा पुलिस का संकल्पः मार्च 2026 तक पूरी तरह माओवादी से मुक्त होगा प्रदेश, नक्सलियों से सरेंडर करने की अपील

भुवनेश्वर, 27 दिसम्बर [एजेंसी]। शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके के मारे जाने के बाद ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई. बी. खुरानिया ने गुरुवार को कड़ा बयान देते हुए कहा कि मार्च 2026 तक राज्य से माओवादी गतिविधियों का पूरी तरह सफाया कर दिया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि पुलिस ने माओवादी गतिविधियों के उन्मूलन के लिए मार्च 2026 का स्पष्ट लक्ष्य तय किया है। उन्होंने यह भी कहा कि माओवादियों के आत्मसमर्पण को लेकर राज्य सरकार की नीति देश की सर्वश्रेष्ठ नीतियों में से एक है

और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।खुरानिया ने माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़ने और आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार उनके पुनर्वास और समाज में दोबारा शामिल होने के लिए पूरी

तरह प्रतिबद्ध है। ओडिशा डीजीपी वाई. बी. खुरानिया ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने सुरक्षा बलों से मार्च 2026 तक माओवादी गतिविधियों के पूरी तरह उन्मूलन का आह्वान किया है।

राज्य सरकार और ओडिशा पुलिस ने इस चुनौती को स्वीकार किया है।हम निर्धारित समयसीमा के भीतर माओवादी गतिविधियों को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में ओडिशा पुलिस को पहले ही उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस अभियान में शामिल सभी कर्मियों और इसे समर्थन देने वालों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। अभियान लगातार जारी है और आगे भी मजबूती से जारी रहेगा। एक बार फिर मैं सभी माओवादियों से अपील करता हूं कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं।

आंगनबाड़ी केंद्रों में टेक होम राशन की रेसिपी तय, कुपोषण से लड़ाई में मिलेगा बल

रांची, 27 दिसम्बर [एजेंसी]। राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं एवं किशोरियों को पूरक पोषाहार के रूप में दिए जानेवाले टेक होम राशन की रेसिपी तय कर दी है।केंद्रीय फूड प्रोसेसिंग मंत्रालय की संस्था एनआईएफटीईएम, हरियाणा द्वारा तय रेसिपी को यहां भी लागू किया गया है। विभाग ने इन संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।इसके तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में छह से 12 माह के बच्चों को टेक होम राशन के रूप में मीठा दलिया दिया जाएगा। इस आयु वर्ग के कुपोषित बच्चों को शिशु आहार दिया जाएगा। इसी तरह, एक से तीन वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पौष्टिक दलिया या नमकीन दलिया तथा इस आयु वर्ग के कुपोषित बच्चों को शक्ति आहार दिया जाएगा। तीन से छह वर्ष के कुपोषित बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं, धातृ महिलाओं तथा किशोरियों को आंगनबाड़ी केंद्रों में नमकीन दलिया दिया जाएगा। विभाग ने पूरक पोषाहार में प्रोटीन, कैलोरी, वसा, कार्बोहाइड्रेट आदि तत्वों की मात्रा भी तय कर दी है।

ग्रेटर नोएडा की सोसायटी में 12वीं मंजिल से कूदे युवक की मौत, धड़ से एक हाथ उखड़ा

ग्रेटर नोएडा, 27 दिसम्बर [एजेंसी]। ग्रेनो वेस्ट की गौड़ सिटी-दो स्थित आम्रपाली गोल्फ होम्स सोसायटी की 12वीं मंजिल की बालकनी से कूदकर बृहस्पतिवार को युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक के शरीर पर पट्टियां बंधी थी, नीचे गिरने से उसके शरीर से एक हाथ उखड़ कर दूर जा गिरा। युवक की पहचान गांव धारूहेड़ा, जिला रेवाड़ी, हरियाणा निवासी अनूप (27) के रूप में हुई है। सेक्टर-62 स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। घटना बिसरख कोतवाली क्षेत्र की है। दोपहर करीब 12 बजे सोसायटी के निवासियों और गार्डों को पता चली। फ्लैट नंबर एम2-1301 से युवक ने कूदकर लगाकर आत्महत्या की है। ऊंचाई से गिरने से शव क्षतविक्षत हो गया। गिरते समय रेलिंग में हाथ फंसकर अलग कटने से अलग हो गया।घटना की सूचना पर पुलिस व फारेंसिक टीम ने मौके पहुंच कर साक्ष्य एकत्रित किए। मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पूछताछ में पता चला है कि युवक अपने दो दोस्तों के साथ किराये पर रहता था। दो दोस्त फैक्ट्री के काम से चंडीगढ़ गए थे।कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह का कहना है कि पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। मामले से जुड़े सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। युवक के दोस्तों व स्वजन के आने पर घटना का कारण पता चलेगा।

चित्रदुर्ग में नेशनल हाईवे-48 पर एक प्राइवेट स्लीपर बस के टकराने के बाद, जिसमें कई लोग हताहत हुए, फायर कर्मियों ने दुर्घटनास्थल पर आग बुझाई।

कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी के मामले में पुलिस ने कसा शिकंजा, शुभम के परिवार की 38 करोड़ की संपत्ति होगी जब्त

वाराणसी,27 दिसंबर (एजेंसी)। कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी में शुभम जायसवाल और उसके परिवार पर शिकंजा कसता जा रहा है। पिता भोला प्रसाद जायसवाल को गिरफ्तार करने के बाद दुबई में छिपे शुभम पर इनाम की राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपये करने और लुक आउट नोटिस जारी करने के बाद 38 करोड़ की संपत्ति जब्त करने की तैयारी है। कोतवाली थाना प्रभारी दयाशंकर सिंह की रिपोर्ट के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट कोर्ट) मनोज कुमार की अदालत ने शुभम के परिवार के लोगों के नाम की 38 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त करने के लिए नोटिस दिया है। यह संपत्तियां शुभम के पिता, उसकी मां शारदा, बहन प्रगति, पत्नी वैशाली के नाम पर हैं।कोर्ट ने सभी को दो जनवरी को पेश होने का आदेश दिया है। भोला जायसवाल सोनभद्र जेल में बंद है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि एसआईटी कफ सीरप के अवैध प्रवाह, वित्तीय लेन-देन और आरोपितों के बीच के संपर्क की जांच भी कर रही है। राज्य सरकार ने इस मामले में अभी तक 79 मामले दर्ज किए हैं। 225 लोगों को नामजद किया और 78 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। 134 फर्मों पर छापेमारी की गई है।

बलूचिस्तान में संस्थागत अपहरण मामलों के खिलाफ भड़का आंदोलन, गुस्साए परिजनों ने हाइवे किया जाम

ब्लूचिस्तान, 27 दिसम्बर [एजेंसी]। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आए दिन जबरन अगवा किए जा रहे लोगों को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। एक परिवार के चार सदस्यों को उठाने के विरोध में स्वजनों ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) हाइवे पर धरना दे दिया है। आंदोलन के दूसरे दिन भी इस हाइवे पर आवागमन बाधित रहा। वहीं महिलाओं को अगवा करने के विरोध में पिछले पांच दिनों से बलोच यकजहती कमेटी (बीवाईसी) ने भी समूचे बलूचिस्तान में आंदोलन चला रखा है।बता दें कि बलूचिस्तान में पुलिस प्रशासन पर ही युवाओं और महिलाओं को जबरन उठाने के आरोप लगते रहे हैं। राजनीतिक दलों का कहना है कि बलूचिस्तान में अपहरण अब संस्थागत रूप ले चुका है।मीडिया आउटलेट, द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित परिवार ने कीच जिले के कार्की तेजाबन और हेरोंक के बीच सड़क जाम कर रखी है। इससे तुरबत, क्वेटा, पंजगुर, आवारन, कोलवाह और होशाप से आनेवाले वाहन आगे नहीं जा पा रहे हैं। इससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। बताया जाता है कि 27 साल की हानी दिलवाश, जो आठ महीने की गर्भवती है, 17 साल की हैरनिसा पुत्री अब्दुल वाहिद, 18 साल के मुजाहिद दिलवाश और फरीद

एजाज को जबरन उठा लिया गया।स्वजनों का दावा है कि हानी और हैरनिसा को इस हफ्ते की शुरुआत में हुब चौकी में तड़के छापा मारकर अगवा किया गया, जबकि दो अन्य को कीच जिले से उठाया गया। मंगलवार की रात तुरबत के असिस्टेंट कमिश्नर ने आंदोलनकारियों से मौके पर पहुंचकर बात की। हालांकि, स्वजनों का कहना है कि अगवा किए गए लोगों को छोड़ा नहीं गया है। जब तक सभी छोड़े नहीं जाएंगे, तब तक सीपीईसी हाइवे पर जाम लगा रहेगा। बीवाईसी नेता सम्मी दीन बलोच ने कहा कि प्रांत में महिलाओं और लड़कियों को अगवा किए जाने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसके पीछे सोची-समझी साजिश काम कर रही है।अब ये समस्या सीमा पार कर चुकी है। हानी दिलवाश और हैरनिसा का अब तक बरामद न हो पाना ये दिखाता है कि बलूचिस्तान में महिलाएं वाकई सुरक्षित नहीं हैं।उन्होंने कहा कि इसके चलते परिवारों पर बहुत गंभीर मनोविज्ञानी दबाव पड़ रहा है।

दो सैंपल का होना है डीएनए मिलान, दावेदार चार, हादसे में मारे जाने वालों की संख्या को लेकर खड़ी हुई बड़ी चुनौती

मथुरा, 27 दिसम्बर [एजेंसी]।यमुना एक्सप्रेसवे हादसे में मारे गए देवेंद्र और नरेंद्र का डीएनए मिलान होने के बाद उनके शव गुरुवार दोपहर स्वजन के सिपुर्द कर दिए गए। अब तक 16 मृतकों की पहचान हो चुकी है। दो सैंपल लखनऊ भेजे गए हैं। डीएनए जांचों के हिसाब से अब मृतकों की संख्या 19 की जगह 18 ही आ रही है। मगर, यात्रा करने वाले चार लोग गायब हैं। उनके स्वजन ने भी डीएनए जांच के लिए सैंपल दिया है। लखनऊ में दो सैंपल के मिलान के बाद भी दो दावेदार ऐसे रह जाएंगे, जिनके स्वजन का अभी तक पता नहीं चल सका है। गुरुवार को पुलिस ने डीएनए मिलान के बाद फतेहपुर के चांदपुर छिपकी गधर निवासी नरेंद्र का शव उनके स्वजन को

सौंप दिया। हमीरपुर के गुहान राठ निवासी देवेंद्र कुमार का शव भी गुरुवार को स्वजन ले गए।घटना के बाद बुरी तरह जल गए अवशेष को देखने के बाद चिकित्सकों ने दावा किया था कि 19 लोगों की मृत्यु हुई है। चार मृतकों के शव घटना के दिन ही पहचान होने के कारण स्वजन को सौंप दिए गए। 15 बाडी बैग में रखे शवों के अवशेष डीएनए जांच के लिए आगरा की लैब में भेजे गए, लेकिन जब रिपोर्ट आई तो पता चला कि दो बैग में तो कानपुर के मोहम्मद सलीम रिजवी के ही शव के अवशेष थे। ऐसे में शवों की संख्या कम हो गई। 12 शवों की डीएनए मिलान से पुष्टि हुई।आगरा की लैब में दो शवों के डीएनए का मिलान नहीं हो सका है। ऐसे में उनके सैंपल दोबारा लखनऊ की लैब में भेजे गए हैं। दो की पहचान के बाद मृतकों की संख्या 18 रह जाएगी। अब तक हादसे के बाद लापता चार लोगों के स्वजन ने डीएनए जांच के लिए सैंपल दे रखा है। इसमें हमीरपुर के नौरंगा राठ निवासी पार्वती देवी, अरमापुर एस्टेट कानपुर नगर निवासी जेपी वर्मा, धनौरा रोड बाडी धौलपुर निवासी भोलू और देवरिया के गांव तिवारी परसिया निवासी रितिक यादव शामिल हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि अब तक हुए डीएनए मिलान और भेजे गए सैंपल के आधार पर मृतकों की संख्या 18 हो रही है। जो दो सैंपल भेजे गए हैं, उनके रिपोर्ट आने के बाद जो लापता है उनकी खोजबीन की जाएगी। उनकी केस हिस्ट्री निकलवाई जाएगी। फिलहाल लखनऊ से डीएनए रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

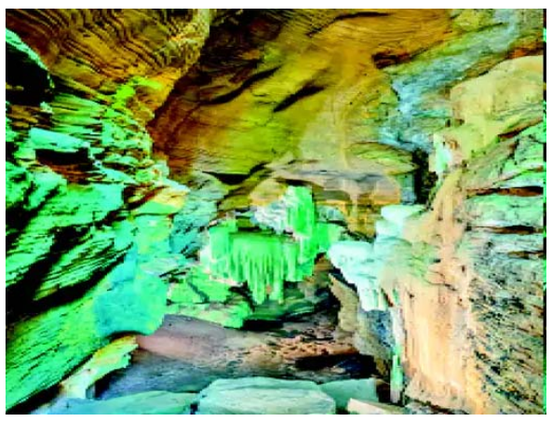

कांगेर घाटी:विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने की कवायद तेज, फरवरी में होगा फैसला

रायपुर,27 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की कांगेर घाटी की रहस्यमयी गुफाओं और जैव-विविधता से भरपूर प्राकृतिक जंगल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया तेज हो गई है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) के वैज्ञानिक कांगेर घाटी की विशेषताओं पर विस्तृत शोध रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। इसे फरवरी में पेरिस स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र भेजा जाएगा ।रिपोर्ट के आधार पर यूनेस्को द्वारा गहन अध्ययन और मूल्यांकन के बाद कांगेर घाटी को स्थायी विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर निर्णय लिया जाएगा। हाल ही में बिलासपुर के पास कोपरा गांव के जलाशय को राज्य का पहला रामसर साइट घोषित किया गया है ।वैज्ञानिकों ने कांगेर घाटी का साइट सर्वे पूरा कर लिया है। यहां कुटमसर, कैलाश और दंडक जैसी प्रमुख गुफाओं के साथ ग्रीन गुफा और कई छोटी गुफाएं मौजूद हैं। पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ अरुण पांडे ने कहा कि वैज्ञानिकों के माध्यम से घाटी के बारे में रिपोर्ट तैयार कराई जा रही है। उन्हीं के माध्यम से यूनेस्को भेजेंगे। विश्व धरोहर की सूची में शामिल होने से यहां का महत्व बढ़ जाएगा। इससे पर्यटन खासतौर पर विदेशी पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। 26 जनवरी से ग्रीन गुफा में होगी पर्यटकों की एंट्री कांगेर घाटी में इस साल खोजी गई ग्रीन गुफा में 26 जनवरी से पर्यटकों की एंट्री होगी। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। गुफा के भीतर आसानी से पहुंचने पाथवे बनाया जा रहा है। रौशनी के लिए सोलर लाइट लगाई जा रही है। कुछ जगहों पर लोगों की सहूलियत के लिए स्टील की रेलिंग भी

रायपुर सेंट्रल जेल में फिर से गैंगवार: यश हत्याकांड के मुख्य गवाह पर चम्मच से किया गया जानलेवा हमला

रायपुर,27 दिसंबर (एजेंसी)। तेलीबांधा के यश शर्मा हत्याकांड के मुख्य गवाह खुशाल पर जेल के भीतर जानलेवा हमला हुआ है। खुशाल की जमकर पिटाई की गई और धारदार हथियार से उस पर चार बार वार किया गया। इससे वह घायल हो गया। उसने जेल प्रबंधन से घटना की शिकायत की। जेल से बाहर आने के बाद उसने एसएसपी और कलेक्टर को लिखित शिकायत दी है। खुशाल का आरोप है कि यश हत्याकांड में सजा काट रहे आरोपियों ने उसकी जान लेने की साजिश रची है और प्लानिंग के तहत उस पर हमला कराया गया। क्योंकि वह केस का मुख्य गवाह है। उसे धमकी दी गई कि अगर जेल के भीतर हमला कर सकते हैं तो जेल के बाहर भी उसकी जान ले सकते हैं। दोनों गैंग लगातार आपस में भिड़ रहे हैं। दोनों पहले भी लड़ चुके हैं ।अधिकारियों ने बताया कि श्याम नगर निवासी खुशाल तोलानी (20) को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत 18 दिसंबर को जेल भेजा गया था। वह 19 दिसंबर को मुलाकाती कक्ष से बाहर आ रहा था। तभी एनडीपीएस मामले में जेल में बंद अमृत साहू ने उस पर हमला कर दिया ।उसने धारदार हथियार से कान, गला और हाथ पर चार बार वार किया। दोनों के बीच झूमाझटकी हुई। खुशाल का आरोप है कि हमले के दौरान बंदी धमकी दे रहा था कि उसने तुषार पाहूजा, सुशील खेमानी,

चिराग पंजवानी और तुषार पंजवानी के खिलाफ कोर्ट में गवाही क्यों दी है। इसका अंजाम उसे भुगतना पड़ेगा। घटना के बाद से खुशाल डरा हुआ है ।जेल के भीतर लगातार गैंगवार की घटनाएं हो रही हैं। कुछ दिनों पहले ही युवा कांग्रेसी नेता आशीष शिंदे पर भी जेल के भीतर हमला हुआ था। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब मामले की जांच हुई और हमले के पीछे प्रॉपर्टी विवाद बताया गया ।इसी तरह बंदी सैयद नदीम पर एक अन्य आरोपी आसिफ ने जेल के भीतर हमला किया था। साहिल खान पर जेल के गेट पर हमला किया गया। इस तरह जेल के भीतर लगातार घटनाएं हो रही हैं ।खुशाल तोलानी पर चार से अधिक वार किए गए हैं। इससे उसके गले, गाल, हाथ और कान में चोटें आई है ।आरोप है कि यश हत्याकांड में सजा काट रहे चारों आरोपियों को जेल के भीतर मोबाइल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए उनसे मोटी रकम ली जा रही है। चारों अलग-अलग मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं। इन्हीं से फोन और मैसेज कर लगातार धमकी दी जा रही है। कई लोगों को आरोपियों ने जेल के भीतर से फोन और मैसेज किए हैं ।खुशाल का आरोप है कि उसके साथी कमलेश बुलवानी पर भी हमले की कोशिश हुई है। पंडरी कपड़ा मार्केट के पास कुछ दिन पहले तीन अज्ञात लड़कों ने उस पर हमला किया। उसके साथ बिना वजह मारपीट की और भाग गए। कोर्ट में पेशी के दौरान भी हमले की कोशिश हो चुकी है ।19 दिसंबर को जेल में दो बंदियों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। इसमें एक बंदी को मामूली चोट आई थी। जेल पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई की है। हमला करने वाले बंदी को दंड भी दिया गया है।

विभिन्न संस्थानों को नोटिस देकर 11300 रूपये जुर्माना वसूला गया

रायपुर, 27 दिसंबर (एजेंसी)। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर अभियान चलाकर नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता श्री सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता श्री नरेश साहू, उपअभियंता श्री अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में अभियान चलाकर नगर निगम जोन क्रमांक 3 क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय सम्पति पर अपना अवैध प्रचार विज्ञापन चस्पा कर शासकीय सम्पति का विरुपण किये जाने पर सम्बंधित भिन्न 7 संस्थानों के सम्बंधित संचालकों से कुल 11300 रूपये का जुर्माना उन्हें नियमानुसार चेतावनी देते हुए वसूलने की कार्यवाही की है।

बिलासपुर-दिल्ली रेल सफर 26 रुपए तक महंगा:लंबी दूरी की ट्रेनों के स्लीपर और जनरल कोच का किराया बढ़ा, नया फेयर लागू

बिलासपुर,27 दिसंबर (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का किराया बढ़ा दिया है। नए बदलाव के तहत नॉन-एसी और एसी श्रेणियों में प्रति किलोमीटर 1 से 2 पैसे की बढ़ोतरी की गई है, जिससे स्लीपर कोच में बिलासपुर-दिल्ली जैसी लंबी यात्रा पर लगभग 26 रुपए और जनरल कोच में करीब 13 रुपए ज्यादा देने होंगे ।यह नया किराया 26 दिसंबर यानी आज से लागू हो गया है। स्लीपर और प्रथम श्रेणी साधारण कोच का किराया भी बढ़ाया गया है, लेकिन आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार, जीएसटी और किराया राउंडिंग के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है ।रेलवे ने साफ किया है कि नया किराया केवल 26 दिसंबर 2025 या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर ही लागू होगा और पहले से बुक टिकटों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। स्टेशनों पर प्रदर्शित किराया सूची भी नए दरों के अनुसार चस्पा की जाएगी ।रेलवे अफसरों ने बताया कि संशोधित किराया संरचना के तहत 215 किलोमीटर तक की द्वितीय श्रेणी साधारण यात्रा पर कोई वृद्धि नहीं की गई है, जिससे कम दूरी और दैनिक यात्रियों को राहत मिली है ।216 किलोमीटर से 750 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराया 5 रुपए बढ़ाया गया है, जबकि 751 से 1250 किमी पर 10 रुपए, 1251 से 1750 किमी

पर 15 रुपए और 1751 से 2250 किमी पर 20 रुपए की बढ़ोतरी चरणबद्ध रूप से लागू होगी ।बिलासपुर से दिल्ली तक करीब 9-10 ट्रेनें सीधा जाती हैं, जिनमें दैनिक और साप्ताहिक सेवाएं शामिल हैं। इनमें प्रमुख ट्रेनें हैं राजधानी/राजधानी, संपर्क क्रांति, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, उत्कल एक्सप्रेस, हीराकुंड एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस हैं। इनमें रोजाना 5 से 7 हजार यात्री सफर करते हैं। ऐसे में अब ट्रेन टिकट बढ़ने पर यात्रियों की जेब में सीधा असर होगा।

बाहरी-हवा का साया बताकर बैगा ने नाबालिग से रेप किया:नींबू बाहर फेंकने के नाम पर साथ ले गया, नर्सरी में डराकर वारदात को अंजाम

दुर्ग-भिलाई,27 दिसंबर (एजेंसी)दुर्ग जिले में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। जहां बेटी के बीमार होने पर मां ने बेमेतरा जिले के एक बैगा को झाड़ फूंक के लिए बुलाया। 22 दिसंबर को बैगा घर पहुंचा और नाबालिग की स्थिति देखकर बाहरी हवा का साया बताया फिर झाड़-फूंक का नाटक करने लगा। इसके बाद नींबू फेंकने का बहाने अपने साथ घर से दूर ले गया।

मामला नंदिनी नगर थाना क्षेत्र का है। आरोपी बैगा परमेश्वर बघेल (25 साल) पीड़िता को अपने साथ एक नर्सरी ले गया जहां उसने डरा धमकाकर वारदात को अंजाम दिया। डर से लड़की 2 दिन चुप रही। फिर अपनी मां को पूरी बात बताई। जिसके बाद मां ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बैगा को गिरफ्तार कर लिया है ।एक दिन पहले ही दर्ज करवाई थी शिकायतजानकारी के अनुसार, 24 दिसंबर को पीड़िता की मां ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

उन्होंने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी की तबीयत खराब थी। इसी दौरान 22 दिसंबर को बेमेतरा जिले के ग्राम परसबोड़ के रहने वाले परमेश्वर बघेल उर्फ बाडू बैगा को इलाज और झाड़फूंक कराने के लिए अपने घर बुलाई थी ।आरोपी घर पहुंचा और बेटी की हालत देखते हुए बाहरी हवा का साया बताया। झाड़फूंक करने के बाद नींबू फेंकने का बहाना बनाया और नाबालिग बेटी को अपने साथ घर से कुछ दूरी पर स्थित नर्सरी के भीतर ले गया। वहां आरोपी ने पीड़िता को डरा-धमकाकर उसके साथ रेप किया। आरोपी ने घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे पीड़िता डर के कारण चुप रही ।दो दिन बाद बताई आपबीती, मां पहुंची थाने अपने साथ हुए इस घटनाक्रम को बेटी ने दो दिन के बाद अपनी मां को बताया। इसके बाद परिजनों ने नंदिनी नगर थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज करते हुए विवेचना शुरू की। इस मामले में गुरुवार (25 दिसंबर) को आरोपी युवक परमेश्वर का गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। खुद को बताता था बड़ा बैगा

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी परमेश्वर बघेल उर्फ बाडू बैगा (उम्र 25 वर्ष) निवासी ग्राम परसबोड़, जिला बेमेतरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध करना स्वीकार कर लिया।

पुलिस की जांच में ये पता चला है कि आरोपी पूरे क्षेत्र में अपने आप को बड़ा बैगा बताकर बीमारियां ठीक करने का दावा करता था। लोग इसकी बातों में आसानी से आ जाते थे। इसी का फायदा उठाकर उसने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है ।इसी दौरान 22 दिसंबर को बेमेतरा जिले के ग्राम परसबोड़ के रहने वाले परमेश्वर बघेल उर्फ बाडू बैगा को इलाज और झाड़फूंक कराने के लिए अपने घर बुलाई थी ।आरोपी घर पहुंचा और बेटी की हालत देखते हुए बाहरी हवा का साया बताया। झाड़फूंक करने के बाद नींबू फेंकने का बहाना बनाया और नाबालिग बेटी को अपने साथ के भीतर ले गया।

24 घंटे पानी देने का वादा:सुबह-शाम 1-1 घंटा दे रहे, 5 वार्ड के 60 हजार से ज्यादा लोग रोज हो रहे परेशान

रायपुर ,27 दिसंबर (एजेंसी)। स्मार्ट सिटी योजना के तहत 24 घंटे पानी देने का वादा कर नगर निगम पांच वार्डों में सुबह-शाम एक-एक घंटा पानी दे रही है। इससे इन इलाकों के 60 हजार से ज्यादा लोग रोज परेशान हो रहे हैं। वार्ड पार्षदों ने इसका विरोध भी शुरू कर दिया है। पार्षदों का कहना है कि जब तक सिस्टम ठीक तरह से काम नहीं करता तब तक रोज सुबह और शाम 2-2 घंटे पानी दिया जाए। दैनिक भास्कर ने इन वार्डों के लोगों से बात की तो उनका गुस्सा फट पड़ा।

लोगों का कहना है कि बिना किसी सूचना और तैयारी के पुरानी पाइपलाइन से पानी सप्लाई बंद कर दी गई। इससे परेशानी और बढ़ गई। नई पाइपलाइन से इतना कम पानी मिल रहा है कि एक बाल्टी पानी भरने में भी 10 मिनट का समय लग रहा है।

निगम ने अभी इंदिरा गांधी वार्ड, हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड मौदहापारा, तात्यापारा-ब्राह्मणपारा वार्ड, स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड और मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड बैजनाथपारा में नई पाइपलाइन से ही सप्लाई की जा रही है।

इसलिए यहां के लोग सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। इन वार्डों के ज्यादातर घरों में पाइपलाइन को घरों के बाहर ही छोड़ दिया गया है। लोग इस पाइप में नल लगाकर पानी भर रहे हैं। नल में पाइप लगाकर पानी टंकी तक पहुंचाया जा रहा है। लेकिन धार इतनी पतली होती है कि एक घंटे में आधी टंकी भी नहीं भर पा रही है। इतना ही नहीं अधिकतर घरवालों ने इस पाइपलाइन को टुल्लू पंप से जोड़ दिया है। प्रेशर

से पानी खींचने के बावजूद पानी ऊपर टंकी में नहीं चढ़ रहा है।

तात्यापारा चौक से ब्राह्मणपारा वार्ड के प्रतीक यादव, गणेश शर्मा और शत्रुघन ने बताया कि जब से नई पाइपलाइन से पानी आ रहा है परेशानी बहुत बढ़ गई है। पानी की सप्लाई ऐसी हो रही है कि एक ड्रम भरने में ही एक घंटा खत्म हो जाता है। पार्षद को बार-बार इस बारे में बताया गया। इसके बावजूद समस्या कम नहीं हो रही ।यहां अभी कई घरों में नल कनेक्शन देना बाकी है। रोजाना पांच से छह घरों में नया कनेक्शन दिया जा रहा है। अब्दुल करीम, अनीस खान और मोहम्मद नवाज ने बताया कि नई पाइपलाइन से बेहद कम पानी मिल रहा है। नल में पाइप लगाकर टंकी तक पहुंचाया तो धार और पतली हो जाती है। अब सब परेशान हो रहे ।सदर बाजार में रहने वाले लोग नई पानी के प्रेशर से बेहद परेशान हैं। यहां के अंदरूनी इलाकों में नलों के कनेक्शन बाहर छोड़ दिए गए हैं। यहां रोजाना शाम को महिलाओं के नलों के सामने पानी भरते हुए देखा जा सकता है। पानी का प्रेशर इतना कम होता है कि जरूरत के हिसाब से पानी नहीं मिल रहा ।अभी वार्डों में ट्रायल चल रहा है। जो भी परेशानी आ रही है उसे नोट कर रहे हैं। पानी का प्रेशर या सप्लाई कम की समस्या को जल्द से जल्द दूर कर दिया जाएगा। इसके लिए टीम काम कर रही है। विश्वदीप, कमिश्नर नगर निगमसदर बाजार वार्ड में पानी की समस्या इतनी बढ़ गई है जैसे गर्मी के समय होती है। भरपूर पानी होने के बावजूद घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। लोग रोज इसकी शिकायत करते हैं। - मुरली शर्मा, जोन-4 अध्यक्ष,पार्षद सदरबाजारपानी का प्रेशर काफी कममौदहापारा में रोजाना पांच से छह लोग नए कनेक्शन के लिए आ रहे हैं। पानी का प्रेशर भी काफी कम है। अफसरों को समस्या बताई है, लेकिन समाधान नहीं हो रहा। शेख मुशीर, पार्षद मौदहापारा वार्डलगातार मिल रही ?शिकायतपानी सप्लाई की शिकायत लगातार मिल रही है। अफसरों से बात की तो वे कहते हैं कि अभी ट्रायल है। वार्ड में नई पाइपलाइन से 2-2 घंटे पानी सप्लाई करने की मांग की है। - अजय साहू, पार्षद ब्राह्मणपारा वार्ड इसके बावजूद समस्या कम नहीं हो रही।

हटाई गई चौपाटी नई जगह पर आबाद नहीं और इधर 20वें दिन नालंदा-2 का वर्क ऑर्डर जारी

रायपुर ,27 दिसंबर (एजेंसी)। साइंस कॉलेज मैदान के सामने 6.13 करोड़ की लागत से बनी चौपाटी को हटाने के 20 दिन बाद ही नालंदा-2(हाईटेक लाइब्रेरी)` लिए वर्कऑर्डर जारी कर दिया गया। नगरीय प्रशासन विभाग ने 12 दिसंबर को इस संबंध में वर्क ऑर्डर जारी किया। निर्माण का ठेका रायपुर के मेसर्स पांडेय एजेंसी को 20 करोड़ में दिया गया है ।निर्माण एजेंसी को जुलाई 2027 तक काम पूरा करना होगा। इधर, वर्कऑर्डर जारी होने के साथ ही नालंदा-2 का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। निर्माण के पहले चौपाटी में लगाए गए टें साइल कैनोपी(लाइट) व बिजली खंभों को हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके बाद यहां लगे पेवर ब्लॉक व टाइल्स को भी हटाया जाएगा। साथ ही फाउंडेशन के लिए खुदाई भी शुरू हो गई है ।ज्ञात हो कि कांग्रेस शासन काल में बनी साइंस कॉलेज चौपाटी को लेकर भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था। तब पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने यहीं पर नालंदा-2 बनाने की बात को लेकर लंबा प्रदर्शन किया। मामला कोर्ट भी गया, लेकिन इसी स्थान पर 60 दुकानों के साथ स्मार्ट सिटी ने चौपाटी शुरू की।

सत्ता परिवर्तन हुआ और मूणत विधायक बने। इसके बाद फिर से इसी स्थान पर नालंदा-2 बनाने और क्षेत्र को एजुकेशन हब बनाने की कवायद शुरू की। इसके चलते नवंबर में ही नगरीय प्रशासन विभाग ने नालंदा-2 निर्माण के लिए टेंडर जारी किया और भारी विरोध के बीच 22 नवंबर को चौपाटी को आमानाका ब्रिज के नीचे शिफ्ट कर दिया गया ।आमानाका ब्रिज के नीचे लगाए जाएंगे कैनोपी

नालंदा-2 का निर्माण शुरू होने के साथ ही साइंस कॉलेज की पुरानी चौपाटी स्थल से कैनोपी और बिजली के खंभों को हटाने का काम शुरू कर दिया है। इन कैनोपी को नई चौपाटी स्थल पर दोबारा लगाया जाएगा। निगम प्रशासन की मानें तो अगले दो से चार दिनों में

आमानाका ब्रिज के नीचे कैनोपी लगा दी जाएगी। इससे नई चौपाटी स्थल पर रौनक बढ़ जाएगी। तीन मंजिला होगी इमारत नालंदा-2 लाइब्रेरी तीन मंजिला होगी। यहां ऑक्सी रीडिंग जोन, सेंट्रल लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी, हाई-टेक कंप्यूटर व फ्री वाई-फाई जैसी तमाम सुविधाएं होंगी। इससे नालंदा-1, सेंट्रल लाइब्रेरी और तक्षशिला में चल रही भारी वेटिंग से युवाओं को राहत मिलेगा। नालंदा-2 का निर्माण शुरू,

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

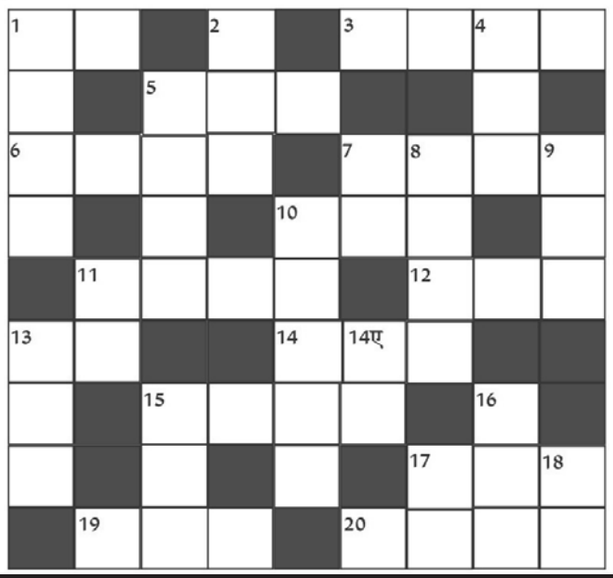

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

विराट कोहली से स्मृति मंधाना तक...इस तरह भारतीय सितारों ने मनाया क्रिसमस

नई दिल्ली ,27 दिसंबर (एजेंसी) । क्रिसमस 2025 का जश्न भारतीय खेल जगत में भी खास अंदाज़ में देखने को मिला। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटरों और महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें और शुभकामनाएं साझा कर फैंस को क्रिसमस और आने वाले न्यू ईयर की बधाई दी।

क्रिसमस 2025 का जश्न भारतीय क्रिकेट सितारों के बीच भी पूरे जोश और उत्साह के साथ देखने को मिला। टीम इंडिया के कई दिग्गज और युवा खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को त्योहार की झलक दिखाई और शुभकामनाएं दीं।

विराट कोहली ने दी क्रिसमस की बधाई

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर क्रिसमस और आने वाले नए साल की बधाई दी। विराट ने अपनी पोस्ट के जरिए फैंस को प्यार और खुशियों से भरा संदेश दिया, जिसे लाखों लोगों ने पसंद किया।

महिला खिलाड़ियों ने भी मनाया जश्न

वहीं, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स ने भी क्रिसमस सेलिब्रेशन की खास तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों में जेमिमा, स्मृति मंधाना और अन्य भारतीय क्रिकेटरों के साथ क्रिसमस मनाती नजर आईं। सभी खिलाड़ी बेहद खुश और उत्सव के रंग में डूबे दिखाई दिए, जिसे फैंस ने काफी सराहा।

सैमसन भी नहीं रहे पीछे

इसके अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर क्रिसमस की तस्वीरें शेयर कीं। संजू की इन तस्वीरों में त्योहार का खास माहौल और परिवार के साथ बिताए गए खूबसूरत पल नजर आए। इस तरह क्रिकेट के मैदान के हीरो ने मैदान के बाहर भी क्रिसमस 2025 को खास अंदाज में मनाया और सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को त्योहार की खुशियों में शामिल किया।

टी20 विश्व कप की तैयारी जारी', कोच मजूमदार बोले- श्रीलंका सीरीज में संयोजन आजमा रहा भारत

विशाखापत्तनम ,27 दिसंबर (एजेंसी) । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज को भारत अगले साल इंग्लैंड में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारी के तौर पर देख रहा है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत कुछ नए प्रयोग कर रहा है, ताकि अगले साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप की बेहतर तैयारी की जा सके। मेजबान भारत ने अब तक सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। विशाखापत्तनम में खेले गए पहले दो टी20 मुकाबलों में भारत ने क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की। टीम शुक्रवार को तीसरा मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करने की कोशिश करेगी।

आजमाइश का दौर है'

मैच से पूर्व मीडिया से बात करते हुए मजूमदार ने कहा, 'जैसे हमने वनडे विश्व कप के दौरान टीम को स्थिर रखने की कोशिश की थी, वैसे ही अब भी कर रहे हैं। टी20 विश्व कप में अभी छह महीने का समय है और हमें अच्छी तरह पता है कि हमें किस दिशा में जाना है। हम कुछ चीजें

आजमा रहे हैं ताकि विश्व कप से पहले टीम पूरी तरह से तैयार हो सके।' उन्होंने कहा कि भारतीय टीम एक प्रगतिशील इकाई है, जो लगातार हर विभाग में सुधार पर काम कर रही है। मजूमदार ने आगे कहा, 'हम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों पहलुओं में सुधार की बात करते हैं। अब एक चौथा पहलू भी जुड़ गया है और वह है फिटनेस। हम हर दिन बेहतर बनने की कोशिश करते हैं।'

'श्रीलंका को हल्के में नहीं ले सकते'मजूमदार ने यह भी कहा कि टीम अभी वनडे विश्व कप जीत की सकारात्मक ऊर्जा में है। उन्होंने कहा, 'पिछले 45 दिनों में मैंने टीम में कोई नकारात्मक बदलाव नहीं देखा है। खिलाड़ी मैदान पर खुश नज़र आ रही हैं। विश्व चैंपियन होने का टैग अब उनके साथ रहेगा और वे उसे संभालने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' हालांकि, उन्होंने श्रीलंका टीम को हल्के में न लेने की चेतावनी भी दी। मजूमदार बोले, 'श्रीलंका एक अच्छी टीम है। हम हर विरोधी को बराबर सम्मान देते हैं और हर मैच को एक चुनौती के रूप में लेते हैं।'टीम शुक्रवार को तीसरा मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करने की कोशिश करेगी।

आजमाइश का दौर है'

मैच से पूर्व मीडिया से बात करते हुए मजूमदार ने कहा, 'जैसे हमने वनडे विश्व कप के दौरान टीम को स्थिर रखने की कोशिश की थी, वैसे ही अब भी कर रहे हैं।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार: हॉकी खिलाड़ी हार्दिक सिंह को मिलेगा खेल रत्न, कई खिलाड़ियों को भी मिलेगा अर्जुन अवार्ड

नईदिल्ली ,27 दिसंबर (एजेंसी) । भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चयन समिति की एकमात्र सिफारिश बने हैं। वहीं, शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और ट्रैक एंड फील्ड एथलीट तेजस्विन शंकर को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए 24 खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। इसमें एक भी क्रिकेटर नहीं है। चयन समिति ने बुधवार (24 दिसंबर) को इन नामों पर मुहर लगाई, जिसमें विभिन्न खेलों के शीर्ष और युवा खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। 27 वर्षीय हार्दिक भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्ड की मजबूत कड़ी रहे हैं और वह टोक्यो 2021 और पेरिस 2024 ओलंपिक में पदक जीतने वाली टीमों का अहम हिस्सा थे। इस साल उन्होंने भारत

को एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, पहली बार योगासन खिलाड़ी आरती पाल को अर्जुन पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया है, जिसे खेल मंत्रालय ने 5 साल पहले औपचारिक मान्यता दी थी।

अर्जुन पुरस्कार विजेता खिलाड़ी: तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित गुजराथी (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (डेफ शूटिंग), प्रणति नायक (जिमनास्टिक्स), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खो-खो), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा शूटिंग), एकता भ्याण (पैरा एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योराण (शूटिंग), मेहुली घोष (शूटिंग), सुतिर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती (योग), ट्रीसा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम सियामी (हॉकी), मोहम्मद अफसल (एथलेटिक्स) और पूजा (कबड्डी)। इस सूची में इस बार किसी भी क्रिकेटर को जगह नहीं मिली है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आखिरी क्रिकेटर थे, जिन्हें 2023 में यह सम्मान दिया गया था। देश का सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न पुरस्कार विजेता को पदक, प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रुपये की नकद राशि के साथ प्रदान किया जाता है। वहीं, अर्जुन पुरस्कार हासिल करने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये की इनामी राशि दी जाती है।साल 2024 के लिए भारतीय निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश, पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण कुमार को ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार मिला था। वहीं, खेल मंत्रालय ने 17 पैरा-एथलीटों सहित 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया था। मनु ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए पदकों का खाता खोला था। वह आजाद भारत में एक ओलंपिक में 2 पद

एशेज सीरीज 2025-26: बॉक्सिंग डे टेस्ट मुकाबले का प्रीव्यू और जरुरी आंकड़े

नईदिल्ली ,27 दिसंबर (एजेंसी) । एशेज सीरीज 2025-26 का चौथा और बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त ले चुकी है। पैट कमिंस चोटिल होने के कारण चौथे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। ऐसे में एक बार फिर स्टीव स्मिथ कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इंग्लैंड ने भी अपनी प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव किए हैं। ऐसे में मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य जरूरी बातों के बारे में जानते हैं।ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अब तक 364 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कंगारू टीम को 155 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड ने 112 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच अब तक 188 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। 102 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और 57 में उसे हार मिली है। 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए। इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर और ओली पोप को शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह जेकब बेथेल और गस एटकिंसन की वापसी हुई है। आर्चर चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं। पोप को उनकी खराब फॉर्म के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया है। इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन: जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टंग।ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टेस्ट के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मौके मिले हैं। नाथन लियोन चोटिल होने के कारण इस टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हालांकि, इसके बावजूद टीम काफी मजबूत नजर आ रही है।

व्यापार

हवाई सफर में साथ ले जाना चाहते हैं शराब जान लें जरूरी नियम, वरना एयरपोर्ट पर हो सकती है दिक्कत

नई दिल्ली ,27 दिसंबर (एजेंसी) । हवाई यात्रा के दौरान शराब साथ ले जाने को लेकर अक्सर यात्रियों के मन में असमंजस की स्थिति बनी रहती है। क्या फ्लाइट में शराब ले जा सकते हैं और अगर हां, तो कितनी? सोशल मीडिया पर इस संबंध में कई तरह के दावे किए जाते हैं, जो लोगों को और ज्यादा भ्रमित करते हैं। इन तमाम सवालों और कंफ्यूजन को दूर करते हुए वाइन एक्सपर्ट सोनल हॉलैंड ने नियमों की सही जानकारी साझा की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि विमान में शराब ले जाने की अनुमति है, लेकिन इसके लिए मात्रा और पैकिंग से जुड़े कुछ सख्त नियम तय हैं जिनका पालन करना अनिवार्य है।बैगेज और हैंड बैग के लिए अलग हैं नियम वाइन एक्सपर्ट सोनल हॉलैंड के मुताबिक, यात्रियों को सबसे पहले यह समझना होगा कि हैंड बैग और चेक-इन बैगेज के नियम अलग-अलग हैं। यदि कोई यात्री अपने साथ केबिन में (हैंड बैगेज) लिक्विड ले जाना चाहता है, तो भारत में हवाई सफर के दौरान इसकी सीमा 100 मिलीलीटर तय है। यानी आप अपने साथ 100 एमएल से ज्यादा शराब केबिन में नहीं रख सकते।

वहीं, चेक-इन बैगेज यानी जो बड़ा सामान आप काउंटर पर जमा करवाते हैं, उसमें यात्रियों को काफी राहत दी गई है। यात्री अपने चेक-इन लगेज में कुल 5 लीटर तक शराब ले जा सकते हैं। इसमें व्हिस्की, वोदका, जिन या रम जैसी किसी भी तरह की शराब शामिल हो सकती है।

आसान शब्दों में समझें तो आप एक-एक लीटर की पांच बोतलें अपने बैग में रखकर ले जा सकते हैं। अल्कोहल की मात्रा और पैकिंग पर देना होगा ध्यानशराब की बोतलों की संख्या के अलावा उसमें मौजूद अल्कोहल की सांद्रता का नियम भी बेहद अहम है। आप जो भी बोतल सफर में ले जा रहे हैं, उसमें अल्कोहल की मात्रा 70 फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। अगर किसी बोतल में अल्कोहल 70 प्रतिशत से ज्यादा है, तो उसे ले जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। इसके अलावा, सुरक्षा के लिहाज से बोतलों की पैकिंग भी मायने रखती है। बोतलें पूरी तरह सीलपैक होनी चाहिए ताकि ऊंचाई पर दबाव के कारण लीकेज का खतरा न रहे। नियम के मुताबिक, बोतलें अपनी ओरिजिनल रिटेल पैकेजिंग में होनी चाहिए।

अगर ऐसा नहीं है, तो उन्हें बबल रैप या सॉफ्ट कपड़ों में सुरक्षित तरीके से लपेटकर रखना चाहिए।

वजन बढ़ने पर ढीली करनी पड़ सकती है जेबनियमों का पालन करने के साथ-साथ यात्रियों को अपने बैग के कुल वजन का भी ध्यान रखना होगा। 5 लीटर शराब की छूट का मतलब यह नहीं है कि आप बैगेज वेट लिमिट को पार कर जाएं। अगर शराब की बोतलों के कारण बैग का वजन एयरलाइन द्वारा तय सीमा से ज्यादा होता है, तो आपको अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ सकता है या फिर सामान निकालने की नौबत आ सकती है। अक्सर जानकारी के अभाव में लोग यह मान लेते हैं कि हवाई यात्रा में शराब पूरी तरह प्रतिबंधित है, लेकिन सच्चाई यह है कि सही प्लानिंग और नियमों के तहत इसे ले जाया जा सकता है।

आरबीआई देने जा रहा एक और बड़ी खुशखबरी, लोन की ईएमआई फिर होगी सस्ती! कब मिलेगी राहत

नई दिल्ली,27 दिसंबर(एजेंसी) । घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों और होम लोन की भारी ईएमआई चुका रहे उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबरें लगातार सामने आ रही हैं। दिसंबर 2025 की मौद्रिक नीति में मिली राहत के बाद अब फरवरी 2026 में भी कर्जदारों की जेब पर बोझ और हल्का होने की उम्मीद जताई जा रही है। संकेत हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। हालांकि, इसका उल्टा असर एफडी निवेशकों पर पड़ सकता है, क्योंकि दरें घटने से रिटर्न कम होने की आशंका रहती है। फरवरी में फिर कट सकता है रेपो रेटयूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ताजा विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में आरबीआई अपना नरम रुख बनाए रख सकता है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट (0.25त्न) की और कटौती संभव है। फिलहाल रेपो रेट 5.25त्न पर है। यदि यह अनुमान सही साबित होता है, तो दर घटकर 5त्न पर आ जाएगी।

इसका सीधा फायदा होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन लेने वालों को मिलेगा—बैंकों की ब्याज दरें घटेंगी और मासिक किस्त कम होगी, जिससे घरेलू बजट में बचत बढ़ेगी।

महंगाई काबू में, इसलिए मिल रही है राहतरिपोर्ट के मुताबिक, महंगाई दबाव अब काफी हद तक नियंत्रण में है। कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कमजोर पड़ी है, जिससे आरबीआई को दरों में नरमी का अवसर मिल रहा है। विश्लेषण में यह भी कहा गया है कि यदि सोने की कीमतों में उछाल के कारण बढ़ी लगभग 0.50त्न महंगाई को अलग कर दिया जाए, तो वास्तविक महंगाई दर और भी कम नजर आती है। हालांकि, फरवरी 2026 की बैठक आरबीआई के लिए कुछ चुनौतीपूर्ण हो सकती है, क्योंकि उसी दौरान सीपीआई और जीडीपी के आधार वर्ष में बदलाव प्रस्तावित है। नए पैमानों पर आने वाले आंकड़े नीति-निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं।महंगाई काबू में, इसलिए मिल रही है राहतरिपोर्ट के मुताबिक, महंगाई दबाव अब काफी हद तक नियंत्रण में है। कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कमजोर पड़ी है, जिससे आरबीआई को दरों में नरमी का अवसर मिल रहा है। विश्लेषण में यह भी कहा गया है कि यदि सोने की कीमतों में उछाल के कारण बढ़ी लगभग 0.50त्न महंगाई को अलग कर दिया जाए, तो वास्तविक महंगाई दर और भी कम नजर आती है। हालांकि, फरवरी 2026 की बैठक चुनौतीपूर्ण हो सकती है

नववर्ष के बीच चांदी की चमक बढ़ी, ऐपल से अधिक हुआ बाजार मूल्यांकन

नई दिल्ली ,27 दिसंबर (एजेंसी) । चांदी की कीमतों में बढ़त के बावजूद वैश्विक बाजार में इसकी मांग काफी अधिक बनी हुई है। क्रिसमस के मौके पर जब दुनिया के कई बड़े शेयर बाजार बंद रहे, तब भी चांदी ने निवेशकों का ध्यान खींचा। ग्लोबल मार्केट में चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। फ्यूचर्स 72 डॉलर प्रति औंस (लगभग 2.08 लाख रुपये) के पार चले गए। 24 दिसंबर को चांदी 0.5 प्रतिशत बढ़कर 71.87 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई।तेजी के इस दौर में चांदी दुनिया की तीसरी सबसे कीमती एसेट बन गई है। बाजार मूल्यांकन के मामले में इसने ऐपल और अल्फाबेट जैसी बड़ी टेक कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, चांदी का बाजार मूल्यांकन 4.05 लाख करोड़ डॉलर (लगभग 360 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा हो गया है। यह आंकड़ा ऐपल और अल्फाबेट दोनों से ऊपर है। फिलहाल सोना और एनवीडिया ही चांदी से आगे हैं।चांदी की कीमतों में आई इस तेजी के पीछे कई वैश्विक कारण हैं। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच बढ़ते तनाव से सेफ-हेवन डिमांड बढ़ी है। इसके साथ ही, बाजार को उम्मीद है कि अमेरिकी फेड आने वाले समय में ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है। कम ब्याज दरें चांदी जैसी धातुओं को सपोर्ट देती हैं। इसके अलावा, सेंट्रल बैंक की खरीदारी और ईटीएफ में मजबूत निवेश भी तेजी की वजह बना है।चांदी की मजबूत मांग का एक बड़ा कारण इसका औद्योगिक इस्तेमाल भी है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन और मेडिकल उपकरणों में चांदी का बड़े स्तर पर उपयोग होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सप्लाई सीमित रहने और मांग बढ़ने से कीमतों को सहारा मिल रहा है। हालांकि, कुछ मुनाफावसूली हो सकती है, लेकिन लंबे समय में चांदी की कीमतें मजबूत बने रहने की उम्मीद जताई जा रही है।तेजी के इस दौर में चांदी दुनिया की तीसरी सबसे कीमती एसेट बन गई है। बाजार मूल्यांकन के मामले में इसने ऐपल और अल्फाबेट जैसी बड़ी टेक कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, चांदी का बाजार मूल्यांकन 4.05 लाख करोड़ डॉलर (लगभग 360 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा हो गया

फास्टटैग बनेगा मल्टीपर्पस वॉलेट, टोल के साथ पार्किंग-पेट्रोल से लेकर ईवी चार्जिंग तक होगा भुगतान,सरकार की योजना

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसी) । टोल भुगतान तक सीमित रहे फास्टटैग को अब मल्टीपर्पस डिजिटल वॉलेट बनाने की तैयारी तेज हो गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की इस योजना के तहत भविष्य में फास्टैग से पार्किंग, पेट्रोल, ईवी चार्जिंग, फूड आउटलेट और यात्रा से जुड़ी अन्य सेवाओं का भुगतान भी किया जा सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक पिछले छह महीनों से चल रहा ट्रायल फल रहा है।

डिजिटल फ्रॉड कम होगा, वॉलेट की तरह इस्तेमालअधिकारियों का कहना है कि फास्टैग को वॉलेट की तरह इस्तेमाल करने से डिजिटल फ्रॉड की आशंका घटेगी। सीमित बैलेंस होने के कारण किसी भी धोखाधड़ी की स्थिति में नुकसान नियंत्रित रहेगा और यूजर को बार-बार अलग-अलग पेमेंट मोड की जरूरत नहीं पड़ेगी।इन सेवाओं में होगा फास्टैग का इस्तेमालफिनटेक कंपनियों, पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स, बैंकों और टोल ऑपरेटर्स के साथ हुई बैठकों में निम्न सेवाओं के लिए सहमति बनी है—यात्रा के दौरान अन्य सड़क-इतर सुविधाएंनई दिल्ली स्टेशन से होगी शुरुआतउत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि दिल्ली मंडल रेलवे ने पार्किंग और यातायात प्रबंधन को लेकर नई पॉलिसी तैयार की है। इसके तहत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पार्किंग शुल्क का भुगतान फास्टैग से किया जाएगा। अनुमान है कि करीब 80त्न वाहन यात्रियों को ड्रॉप या पिक-अप कर तुरंत बाहर निकल जाएंगे। शुल्क स्वतः कटने से ठेकेदारों और वाहन चालकों के बीच अतिरिक्त वसूली को लेकर होने वाले विवाद लगभग खत्म हो जाएंगे।एक्स-आर्मी मैन होंगे पार्किंग मार्शलनई व्यवस्था में पार्किंग और ट्रैफिक संचालन के लिए पहली बार एक्स-आर्मी मैन को मार्शल के रूप में तैनात किया जाएगा। इससे निजी सुरक्षाकर्मियों की बदसलूकी से जुड़ी शिकायतों पर लगाम लगेगी और सेना के अनुभव का लाभ सुरक्षा व्यवस्था व आतंकी गतिविधियों की रोकथाम में मिलेगा।

दिल्ली मंडल की इस नीति के तहत टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और नई कंपनी 28 दिसंबर से पार्किंग मैनेजमेंट संभाल लेगी। टेंडर शर्तों के अनुसार कंपनी को एक माह के भीतर यात्री सुविधाएं, वाहन प्रबंधन और सुरक्षा से जुड़े सभी मानक लागू करने होंगे। अजमेरी गेट की ओर तीन विशेष पाथवे बनाए जा रहे हैं, जिनसे यात्री अपने सामान के साथ आसानी से सुरक्षा जांच व स्कैनिंग तक पहुंच सकेंगे। ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों के लिए निर्धारित लेन से टैक्सी, बस या मेट्रो तक पहुंच भी सरल होगी। अधिकारियों के मुताबिक पिछले छह महीनों से चल रहा ट्रायल फल रहा है।डिजिटल फ्रॉड कम होगा, वॉलेट की तरह इस्तेमालअधिकारियों का कहना है कि फास्टैग को वॉलेट की तरह इस्तेमाल करने से डिजिटल फ्रॉड की आशंका घटेगी। सीमित बैलेंस नियंत्रित रहेगा ।

नए साल पर हंगामा और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास पड़ेगा महंगा

नहीं बख्शेगी पुलिस, जेल की खानी पड़ेगी हवा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में न्यू ईयर का इंतजार होने लगा है। इसके बीच पुलिस ने 31 दिसंबर और नए साल के अवसर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुंडा और निगरानी बदमाशों को सख्त चेतावनी दी। बता दें की जैसे-जैसे साल 2025 अलविदा होने को है और नए साल का स्वागत नजदीक आ रहा है, कोरबा शहर में उत्सव की तैयारी और सरगर्मी तेज हो गई है। शहर के बड़े होटलों, लॉन और सार्वजनिक स्थलों में नए साल की धूमधाम से तैयारियां शुरू हो गई हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने भी तैयारी तेज कर दी है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर नगर कोतवाल मोतीलाल पटेल ने गुरुवार को शहर के गुंडा और निगरानी बदमाशों को थाने में तलब किया। उन्हें सख्त चेतावनी दी गई कि 31 दिसंबर और नए साल के अवसर पर यदि कोई हंगामा या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करेगा, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा और सीधे जेल की हवा खानी पड़ेगी। नगर कोतवाल ने फरमान जारी किया कि इस दौरान सभी बदमाशों को पिछले पांच दिनों तक लगातार थाने में हाजिरी लगानी होगी और 31 दिसंबर को अपने-अपने घरों में शांति बनाए रखनी होगी। परेड और चेतावनी के दौरान पुलिस के अन्य अधिकारी और आरक्षक चंद्रकांत गुप्ता, सुनील राजपूत सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। शहर में नए साल के जश्न को लेकर उत्साह है, लेकिन पुलिस की सख्त निगरानी के चलते कोई अवांछित घटना होने की संभावना कम है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे उत्सव का आनंद शांति और नियमों के पालन के साथ मनाएं।

आग से झुलसी वृद्धा की 9 दिन बाद मौत

सिगड़ी की आग की चपेट में आकर झुलसी थी महिला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वृद्धा के कपड़े में खाना लेकर आते समय सिगड़ी से आग लग गई। इसकी भनक वृद्धा को तब लगी, जब आग ने उसे चपेट में लेना शुरू कर दिया। उसने किसी तरह आग बुझाने में सफलता तो पा लिया, लेकिन वह गंभीर रूप से झुलस गई। उसकी चीख पुकार सुनकर पहुंचे बस्तीवासियों ने इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया, जहां करीब नौ दिनों चले उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने किसी तरह मोबाइल नंबर की व्यवस्था कर परिजनों को जानकारी दी। पुलिस ने परिजनो के आने पर वैधानिक कार्रवाई पूरी की।

कोतवाली अंतर्गत रामसागर पारा तालाब के पास नोनी बाई चंद्रा 70 वर्ष अकेली रह रही थी। वह किसी तरह अपना जीवनयापन कर रही थी। बताया जा रहा है कि 17 दिसंबर की देर शाम वह खाना लेकर कमरे की ओर जा रही थी। इसी दौरान सिगड़ी की आग से कपड़े में आग लग गई। यह आग पीछे से लगी थी, लिहाजा वृद्धा को पता ही नहीं चला। इसकी भनक उसे तब लगी, जब आग ने शरीर को चपेट में लेना शुरू कर दिया। वह चीखते चिल्लाते आग को बुझाने के प्रयास में जुट गई। उसने किसी तरह आग पर काबू भी पा लिया, लेकिन घटना के खुद गंभीर रूप से झुलस गई। उसकी चीख पुकार सनकर बस्तीवासियों पहुंचे हुए थे। उन्होंने वृद्धा को आनन फानन इलाज के लिए अस्पताल दाखिल करा दिया। जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार चलता रहा। घटना के नौ दिन बाद उसकी मौत हो गई। इस बीच वृद्धा का सुध लेने कोई भी परिजन नही पहुंचे। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी देखरेख स्वास्थ्य कर्मी ही करते रहे। वृद्धा की मौत के बाद उसके शव को मर्चुरी में रखवाते हुए अस्पताल पुलिस को मेमो भेज दिया गया। अस्पताल पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई पूरी करने परिजनों के संबंध में जानकारी एकत्रित करने का प्रयास किया। इस दौरान वृद्धा के पुत्रियों का मोबाइल नंबर हाथ लग गया, जिसमें संपर्क कर पुलिस ने घटना की जानकारी दी। उनके अस्पताल पहुंचने पर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई पूरी की। इसके साथ ही शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

दंतैल ने बाड़ी में लगी फसल को किया चौपट

सेंद्रीपाली गांव में मचाया भारी उत्पात

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वनमंडल कोरबा के करतला रेंज में सक्रिय दंतैल हाथी ने बीती रात सेंद्रीपाली गांव में दो ग्रामीणों के बाड़ी में प्रवेश कर भारी उत्पात मचाया। इस दौरान दंतैल ने वहां लगे केला व अन्य सब्जी के पौधों को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया, जिससे संबंधित ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

दंतैल के उत्पात से प्रभावित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला सुबह मौके पर पहुंचा और रात में दंतैल द्वारा किए गए नुकसानी आंकलन करने के साथ रिपोर्ट तैयारी की। कटघोरा व कोरबा वनमंडल में लगातार तीन दिन में तीन ग्रामीणों को मारने के बाद दंतैल करतला रेंज पहुंचा है। तीन दिनों तक वह बड़मार क्षेत्र में विचरण करता रहा, तत्पश्चात् पीडिया के रास्ते सेंद्रीपाली पहुंच गया और गांव के आसपास मंडरा रहा है। हाथी ने एक दिन पहले सेंद्रीपाली में गन्ने की फसल को भी नुकसान पहुंचाने के साथ बाउंड्रीवॉल को भी तोड़ दिया था। हाथी के क्षेत्र में मंडराने से ग्रामीण दहशत में हैं। वन विभाग की अलग-अलग टीम 24 घंटे निगरानी कर रही है। गांव में पहुंचकर लोगों को जागरूक करने का अभियान भी चलाया जा रहा है। उधर कटघोरा वनमंडल में 53 से अधिक हाथी मौजूद हैं। अकेले घूम रहे दंतैल ने ग्राम आमाटिकरा मोहल्ले में त्रिभुवन रावत के मकान को तोड़ दिया। वह अपने परिवार के साथ दूसरे कमरे में दुबका रहा। इसके पहले फुलसर और कोरबी में भी मकान को क्षतिग्रस्त किया था।

सूरजमुखी और मूंगफली का बढ़ाया जा रहा रकबा

पाली में तेल यूनिट लगाने की तैयारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में रबी फसल का रकबा 40 हजार 730 हेक्टेयर है। इस बार दलहन के साथ ही तिलहन फसल को बढ़ावा देने प्लानिंग की गई है। इसके साथ सूर्यमुखी की फसल का रकबा ढाई हजार से 3500 हेक्टेयर करने का निर्णय लिया है। मूंगफली का रकबा भी 500 से बढ़कर 1500 हेक्टेयर किया जा रहा है। पाली में तेल यूनिट लगाने की तैयारी है। तिलहन को बढ़ावा देने के साथ ही किसानों को अधिक दाम दिलाने तेल यूनिट लगाने तैयारी है। अभी करतला के महामाया एफपीओ के किसानों ने तेल यूनिट लगाई है। इससे उपज बाहर बेचने की जरूरत नहीं होगी।

किसान रबी में धान के साथ ही गेहूं और रागी की फसल लेते हैं। इस बार गेहूं का लगभग 2452 हेक्टेयर और धान का 515 हेक्टेयर है। इसी तरह मक्का का भी 750 हेक्टेयर में फसल लेने किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। रागी की फसल करतला और पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक में ही होती है। धीरे-धीरे कर इसका रकबा अभी 25 हेक्टेयर किया है, लेकिन सबसे अधिक तिलहन को ही बढ़ावा दिया जा रहा है। अब तक सरसों की सबसे अधिक फसल होती रही है। इस बार भी 2500 हेक्टेयर में किसान फसल ले रहे हैं। मूंगफली का रकबा भी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। करतला में सबसे अधिक 178 हेक्टेयर में किसान फसल लेते हैं। सूर्यमुखी को बढ़ावा देने सभी ब्लॉकों में प्रोत्साहित किया जा रहा है। अलसी की फसल का रकबा 900 हेक्टेयर है।

कुसुम का 2710 हेक्टेयर में फसल होती है। अब तक किसान करीब 27421 हेक्टेयर में बुवाई कर चुके हैं। सब्जी फसल का रकबा 18540 हेक्टेयर है। सब्जी की पैदावार में पाली ब्लॉक आगे है। यहां पर 6934 हेक्टेयर में किसान फसल लेते हैं। दूसरे स्थान पर करतला ब्लॉक है, जहां 4686 हेक्टेयर में सब्जी फसल होती है। कोरबा में 3115, कटघोरा में 835 और पोड़ी-उपरोड़ा में 2970 हेक्टेयर रकबा है।

मृत घोषित करने के बजाय कर दिया रेफर

कड़कती ठंड में शव ले जाने परेशान होते रहे परिजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एक डॉक्टर की संवेदनहीनता उस वक्त सामने आई, जब सांस लेने की तकलीफ होने पर बुजुर्ग महिला को लेकर परिजन इलाज के लिए पहुंचे। उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित करने से ही इंकार कर दिया। परिजन व संजीवनी कर्मियों के बार बार कहने के बाद भी डॉक्टर ने शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया, जहां से देर रात मुक्तांजलि एक्सप्रेस की मदद से मृत महिला को घर लाया गया इस दौरान कड़कती ठंड के बीच परिजन हलाकान होते रहे।

जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर उरगा में राधा देवी 70 वर्ष निवास करती थी। संयुक्त परिवार होने के कारण दोनों बेटे के अलावा अन्य सदस्य भी बुजुर्ग महिला का ख्याल रखते आ रहे थे। बुधवार की रात अचानक राधा देवी की तबीयत बिगड़ गई। उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। परिजन रात करीब 8.15 बजे उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताढी पहुंचे, जहां महिला स्वास्थ्य कर्मी तैनात थी। उसने वृद्धा की हालत से तत्काल महिला चिकित्सक को अवगत कराया। थोड़ी देर बाद महिला चिकित्सक भी अस्पताल पहुंची। उन्होंने बुजुर्ग महिला का उपचार शुरू कर दिया। करीब एक घंटे तक चले इलाज के बाद वृद्धा की सांसें थम गई। इसकी जानकारी किसी तरह परिजनों को लग गई। वे कुछ समझ पाते, इससे पहले रायपुर स्थित कंट्रोल रूम से इवेंट मिलने पर सरगबुंदिया लोकेशन में तैनात ईएमटी रमेश पायलट के साथ अस्पताल जा पहुंचा। किसी तरह परिजन और संजीवनी एक्सप्रेस की टीम को वृद्धा के मृत हो जाने की भनक लग गई। उन्होंने मृतिका के शव को रेफर करने के बजाय मृत घोषित कर देने की बात कहीं, लेकिन डॉक्टर ने साफतौर से इंकार कर दिया। उन्होंने दस्तावेजी कामकाज जिला अस्पताल में होने की बात कहीं। इसके साथ ही मृतिका के शव को ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। संजीवनी कर्मी रात करीब दस बजे मृतिका को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे, जहां उसे अधिकृत तौर पर मृत घोषित किया गया। इसके साथ ही मुक्तांजलि एक्सप्रेस की मदद से शव को घर रवाना किया गया। डॉक्टर की संवेदनहीनता के कारण परिजन पूरी रात कड़कते ठंड के बीच हलाकान होते रहे। इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग में व्यवस्था की पोल खोल दी है।

नगर निगम क्षेत्र में समस्याओं का अंबार

टूटी व जाम नाली के साथ अतिक्रमण की बनी है समस्या

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को बखूबी अंजाम दिया जा रहा है। करोड़ों के विकास कार्यों का भूमि पूजन निगम प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। इसके बावजूद क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा है। पुराना कोरबा इससे अछूता नहीं है। वार्ड 3 के नालों को स्लैब से नहीं ढका गया है। गाय, बैल व अन्य जानवर आए दिन नाली में गिर कर घायल हो रहे हैं। डीडीएम रोड की स्थिति खराब है। नाली जाम है। जगह जगह टूट गई है, वहीं हाल वार्ड 12 मधु स्वीट गली का है। नाली का पानी रोड में बह रहा है। नाली की सफाई तक नहीं होती। कई जगह तो नली ही नहीं है। रोड पूरी तरह से खराब हो गया है। पूरे शहर में अतिक्रमण की बाढ़ आ गई है, जिसके कारण यातायात एवं आवागमन में लोगों को काफी असुविधा होती है। सोनालिया पुल से शारदा विहार मोड तक दुकानदारों व ठेलों वालों द्वारा सड़क में बेजाकब्जा करने से सड़क जाम होती है। मिशन रोड में फल ठेला एवं गुमटी सड़क में लगने से आवागमन में काफी दिक्कत होती है।

सिटी कोतवाली वाली गली एवं रानी धनराज कुंवर देवी अस्पताल के अगल-बगल लगी गुमटियों से लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतें होती है। इसी तरह उषा कंपलेक्स रेलवे क्रॉसिंग के पास समोसा दुकानदारों द्वारा रोड में दुकान लगाने से आवागमन अवरुद्ध होता है।

शहर के मध्य में शराब दुकान का संचालन होने से शहर के लोगों का जीना दूभर हो गया है। दिनभर आवागमन कठिन हो गया है। महिलाएं एवं बच्चों का वहां से निकलना दूभर हो गया है। प्रतिदिन वहां असामाजिक तत्वों द्वारा जमावड़ा लगा है। लोगों का कहना है कि इसे शीघ्र अति शीघ्र हटाया जाना चाहिए। जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए नहीं तो कभी भी जन आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है।

धान खरीदी की रफ्तार धीमी, लक्ष्य से पिछड़ता नजर आ रहा जिला

24 खरीदी कार्य दिवस में रोजाना 93 हजार 395 क्विंटल धान खरीदी की चुनौती

कोरबा (छ.ग.गौरव)। किसानों का एक -एक दाना वाजिब दाम पर धान खरीदने का वादा कर सत्ता में आई साय सरकार के इस साल की धान खरीदी व्यवस्थाओं ने समितियों से लेकर किसानों की मुसीबतें बढ़ा दी है। समिति स्तर पर प्रतिदिन धान खरीदी की लिमिट गत वर्ष की तुलना आधे से भी कम किए जाने की वजह से सीमांत एवं दीर्घ कृषकों का ऑफलाइन टोकन अपेक्षाकृत नहीं कट पा रहा है।जिसकी वजह से आकांक्षी जिला कोरबा पहली बार धान खरीदी के लक्ष्य से अभी से पिछड़ता नजर आ रहा है। 31 लाख 19 हजार क्विंटल के तय लक्ष्य की पूर्ति में महज 8 लाख 78 हजार 145 क्विंटल धान खरीदी की वजह से लक्ष्य प्राप्ति के लिए शेष बचे 24 खरीदी कार्य दिवस में जिले के 41 समितियों के 65 उपार्जन केंद्रों को प्रतिदिन 93 हजार 395 क्विंटल धान खरीदी करनी पड़ेगी।

आधा दर्जन से अधिक उपार्जन केंद्रों में लिमिट कम होने से किसान परेशान है। कई उपार्जन केंद्रों में टोकन नहीं कटने से परेशान किसानों ने न केवल शासन की नियत पर सवाल उठाए वरन लिमिट बढ़ाए जाने की बात कही।

15 नवंबर से 31 जनवरी 2026 तक खरीफ विपणन वर्ष 2025 -26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। आकांक्षी जिला कोरबा के किसानों में जहां सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के साथ साथ 800 रुपए प्रति क्विंटल की राशि बोनस के तौर पर देकर 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान लेने के वादों पर खरा उतरने से उत्साह है, वहीं इस साल एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन से लेकर डिजिटल क्रॉप सर्वे त्रुटिपूर्ण गिरदावरी तकनीकी पेंच बिक्री रकबा में कटौती ने परेशानी बढ़ा दी है। वहीं अब समिति स्तर पर प्रतिदिन खरीदी की लिमिट कम किए जाने की वजह से सिंचित क्षेत्र के उपार्जन केंद्रों से लाभान्वित होने वाले किसानों की समस्या बढ़ गई है। करतला, कोरबा ब्रांच के आधा दर्जन केंद्रों से अधिक उपार्जन केंद्रों में इस बदइंतजामी से किसान परेशान नजर आ रहे हैं। बरपाली ब्रांच के उपार्जन केंद्र फरसवानी ,सोहागपुर , कराईनारा, पठियापाली तिलकेजा में टोकन कटाने पहुंचे सीमांत दीर्घ किसान निराश वापस लौटते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह से खरीदी की रफ्तार मंद पड़ गई है। नियमानुसार धान खरीदी के लिए 70 प्रतिशत टोकन 2 स्तर पर काटे जा रहे। 70 फीसदी तुंहर हाथ ऐप से टोकन काटे जा रहे तो वहीं 30 फीसदी टोकन समिति स्तर पर काटे जा रहे हैं। समिति स्तर पर काटे जा रहे टोकन धान खरीदी की लिमिट कम होने की वजह से अपेक्षाकृत नहीं कट पा रहे। 2 एकड़ से कम धान का रकबा वाले लघु किसानों के लिए सिंगल टोकन काटे जाने का प्रावधान है ,जिन्हें दिक्कतें नहीं आ रही। लेकिन 2 से 10 एकड़ के सीमांत एवं 10 एकड़ से अधिक रकबा वाले दीर्घ (बड़े) किसानों के लिए टोकन कटना मुश्किल हो रहा है। सीमांत किसान 2 तो दीर्घ किसान 3 टोकन कटा सकते हैं। लेकिन प्रतिदिन धान खरीदी की लिमिट कम होने से समिति से कई किसानों को निराश वापस लौटना पड़ रहा है। फरसवानी में बीते वर्ष धान खरीदी की लिमिट प्रतिदिन 1500 क्विंटल की थी जो इस वर्ष बढाने की बजाय,एक बार लिमिट बढ़ने पर भी 1200 क्विंटल ही है। वर्तमान में किसानों की समस्या ,धान खरीदी की धीमी रफ्तार को देखते हुए 1700 क्विंटल प्रतिदिवस खरीदी लिमिट की बात कही जा रही।

53 हजार क्विंटल के लक्ष्य की पूर्ति में 924 किसानों में से 270 किसानों ने ही 14 हजार 862 क्विंटल धान बेचा है। 654 शेष किसानों के माध्यम से तय लक्ष्य की पूर्ति करने समिति परेशान है। गौरतलब हो गत वर्ष इस समयावधि में 22 हजार 822 क्विंटल की धान खरीदी हो चुकी थी। सोहागपुर में भी लिमिट कम होने से किसान नाराज नजर हैं। कराईनारा में 1200 क्विंटल की मांग पर खरीदी लिमिट 800 क्विंटल किए जाने पर टोकन नहीं कटने,एवं बिक्री रकबा में कटौती से परेशान किसानों ने नाराजगी जाहिर की। यहां 32 हजार क्विंटल के लक्ष्य की पूर्ति में 383 पंजीकृत किसानों में से 119 किसानों से 8 हजार 477 क्विंटल ही धान बेचा है,अभी भी 269 किसानों के माध्यम से शेष करीब 60 फीसदी लक्ष्य की पूर्ति करने समिति को आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। उपार्जन केंद्र पठियापाली में भी टोकन कटाने पहुंचे किसान निराश वापस लौटते दिखे। उन्होंने समिति की खरीदी लिमिट 1000 क्विंटल को बढ़ाकर 1500 से अधिक किए जाने की बात कही ताकि किसानों को समितियों का चक्कर न काटना पड़े। यहाँ 40 हजार क्विंटल धान खरीदी के लक्ष्य की पूर्ति में 591 किसानों में से 199 किसानों के माध्यम से 10 हजार 500 क्विंटल धान की ही आवक हुई है। 392 किसान अभी भी धान नहीं बेच सके हैं। जिनसे शेष 75 फीसदी खरीदी लक्ष्य की पूर्ति की चिंता समिति के कर्मचारियों को सता रही है। तुमान, चिकनीपाली में भी लिमिट बढ़ाए जाने की बात कही गई। उपार्जन केंद्र तिलकेजा में तो समिति की लिमिट महज 1 हजार क्विंटल होने की वजह से प्रतिवर्ष शासन को समर्थन मूल्य पर 450 क्विंटल धान बेचने वाले बिलासपुर से टोकन कटवाने पहुंचे मूलत: भैसमा निवासी किसान को निराश वापस लौटना पड़ा।उन्होंने भी इस अव्यवस्था ,अदूरदर्शिता पर नाराजगी जताते हुए ख़रीदी लिमिट बढ़ाए जाने की बात कही।

22 लाख 41 हजार 495 क्विंटल धान की खरीदी शेष

जिले में 26 दिसंबर तक कि स्थिति में 41 समितियों के 65 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 8 लाख 78 हजार 145 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। खरीदे गए धान की कीमत समर्थन मूल्य (2300 रुपए प्रति क्विंटल की दर) पर 201करोड़ 97 लाख 34 हजार 880 रुपए की है। शासन द्वारा 3100 रुपए की दर से धान खरीदी किए जाने की बात कही गई है। शेष 800 रुपए प्रति क्विंटल के अंतर राशि बोनस के तौर पर शासन पृथक से किसानों के खाते में जारी करेगी। इस लिहाज से देखें तो अब तक खरीदे गए धान के लिए 70 करोड़ 25 लाख 16 हजार 480 रुपए की राशि बोनस के तौर पर दी जाएगी। समर्थन मूल्य बोनस की कुल राशि को जोड़ दें तो अब तक 272 करोड़ 22 लाख 51 हजार 360 रुपए की धान खरीदी हो चुकी है। लेकिन लिमिट की पेंच में मंद पड़ी धान खरीदी अभियान में इस साल जिला तय लक्ष्य से पहली बार अभी से काफी दूर जाता नजर आ रहा है। अभी तक 30 फीसदी धान की भी आवक नहीं हुई है। तय लक्ष्य की पूर्ति के लिए शेष बचे 22 लाख 41 हजार 495 क्विंटल धान की खरीदी के लिए शेष बचे 24 खरीदी कार्यदिवस में 93 हजार 395 .62 क्विंटल धान प्रतिदिन खरीदना होगा। जो आसान नहीं लग रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623